RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 14 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 04 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

कड़ाके की ठंड व कोहरे का कहर

100 से अधिक उड़ानें रद्द, 150 से अधिक ट्रेन लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष-2025 के पहले महीने में ही सर्दी का सितम लगातार बढ़ता ही जा रहा है। कड़ाके की ठंड के बीच कोहरा ने भी दस्तक दे दी। कोहरे के कारण लोगों का जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं, धुंध के चलते हाईवे समेत अन्य मार्गों पर वाहनों के पहिये की रफ्तार भी थम सी गई है। विमान और ट्रेन के मुसाफिरों पर कोहरे का कहर पड़ रहा है। कई उड़ानें व ट्रेनें कोहरे के कारण रद्द कर दी गई हैं।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदल चुका है। शनिवार सुबह से ही पूरे एनसीआर में घना कोहरा छाया हुआ है। कई जगहों पर दृश्यता जीरो तक पहुंच गई है। ऐसे में लोगों को सड़क पर गाड़ियों की फॉग लाइट जलानी पड़ रही है। वहीं कोहरे की वजह से रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की चाल थम गई। कानपुर के यात्री बृज किशोर वर्मा का कहना है कि कानपुर से आने वाली ट्रेन छह घंटे देरी से चल रही है। वह दो-तीन घंटे से स्टेशन पर इंतजार कर रहे हैं। उन्हें बताया गया है कि सभी ट्रेनें देरी से चल रही हैं। वहीं हवाईअड्डों पर विमानों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। इससे यात्रियों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा।

उत्तर प्रदेश में कोहरा और शीतलहर का प्रकोप जारी है। लखनऊ में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 23 डिग्री सेल्सियस (शेष पृष्ठ-3 पर)

हिसार में भिड़े वाहन

हिसार (एजेंसी)। हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर उकलाना के सूरेवाला चौक के पास घने कोहरे के चलते कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद पीछे से आ रहा ट्रक भी बचाव के लिए पहुंचे लोगों से टकरा कर पलट गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतक अभी पहचान नहीं हो पाई है।

दिल्ली में भाजपा की पहली लिस्ट जारी

नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा, कालका जी से रमेश विधूड़ी को टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली लिस्ट आज जारी कर दी है। लिस्ट में 29 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा ने प्रवेश वर्मा को टिकट दिया है। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ भाजपा ने कालकाजी से रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है।

भारतीय जनता पार्टी ने आज दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में आदर्श नगर से राजकुमार भाटिया, बादली विधानसभा क्षेत्र से दीपक चौधरी, रिठाला से कुलवंत राणा, नागलोई जाट से मनोज शौकीन, मंगोलपुरी से राजकुमार चौहान, रोहिणी से विजेंद्र गुप्ता, शालीमार बाग से श्रीमती रेखा गुप्ता, मॉडल टाउन से अशोक गोयल, करोल बाग से दुष्यंत कुमार गौतम, पटेल नगर से राजकुमार आनंद, राजौरी गार्डन से सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, जनकपुरी से आशीष सूद, बृजवासन से कैलाश गहलोत, नई दिल्ली विधानसभा से प्रवेश साहिब

भारतीय जनता पार्टी
केन्द्रीय कार्यालय
6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
फोन: 011-23500000 फैक्स: 011-23500190
दिनांक: 04.01.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव 2025 के लिए निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025

प्रथम सूची

क्र.	विधानसभा का नंबर एवं नाम		उम्मीदवार का नाम
1.	4	आदर्श नगर Adarsh Nagar	श्री राज कुमार भाटिया Shri Raj Kumar Bhatia
2.	5	बादली Badli	श्री दीपक चौधरी Shri Deepak Chaudhary
3.	6	रिठाला Rithala	श्री कुलवंत राणा Shri Kulwant Rana
4.	11	नांगलोई जाट Nangloi Jat	श्री मनोज शौकीन Shri Manoj Shokeen
5.	12	मंगोलपुरी (अजा) Mangolpuri (SC)	श्री राजकुमार चौहान Shri Rajkumar Chauhan
6.	13	रोहिणी Rohini	श्री विजेन्द्र गुप्ता Shri Vijender Gupta
7.	14	शालीमार बाग Shalimar Bagh	**श्रीमती रेखा गुप्ता** **Smt. Rekha Gupta**
8.	18	मॉडल टाउन Model Town	श्री अशोक गोयल Shri Ashok Goel
9.	23	करोल बाग (अजा) Karol Bagh (SC)	श्री दुष्यन्त कुमार गौतम Shri Dushyant Kumar Gautam
10.	24	पटेल नगर (अजा) Patel Nagar (SC)	श्री राज कुमार आनंद Shri Raaj Kumar Anand
11.	27	राजौरी गार्डन Rajouri Garden	सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा Sardar Manjinder Singh Sisra
12.	30	जनकपुरी Janakpuri	श्री आशीष सूद Shri Ashish Sood

स्टेडियम में लगा लोहे का जाल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के नोएडा स्टेडियम परिसर से नाली के ऊपर लगा लोहे का जाल चोरी हो गया। चोरी की यह पूरी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति लोहे का जाल उठाकर अपनी कार में रखता हुआ दिख रहा है।

खेल परिषद नोएडा के कार्यालय सहायक अमित शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि नोएडा स्टेडियम परिसर के अंदर प्राधिकरण द्वारा निर्मित नालियों के ऊपर रखे गए लोहे के जाल चोरी होने की घटना निरंतर हो रही है। 26 दिसंबर एवं 30 दिसंबर को एक व्यक्ति (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीएम योगी से मिले मंत्री आशीष पटेल

योगी ने दी बयानबाजी से बचने की सलाह

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। शुक्रवार देर शाम सीएम के गोरखपुर से लौटने के बाद मंत्री आशीष पटेल सीएम आवास पहुंचे थे। सीएम से मुलाका के बाद आशीष पटेल दिल्ली आ रहे हैं जहां वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलेंगे।

सूत्रों के मुताबिक सीएम ने आशीष से मामले की पूरी जानकारी ली है। उन्हें उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। साथ ही सीएम योगी ने आशीष को आगे से किसी भी तरह की बयानबाजी से बचने की सलाह भी दी है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

आशीष पर हमलावर हैं पल्लवी पटेल

इस मुद्दे पर पिछले कई दिनों से पल्लवी लगातार आशीष पटेल पर हमलावर हैं। इसे देखते हुए अनुप्रिया ने बृहस्पतिवार को लखनऊ में पार्टी की मासिक बैठक बुलाई थीं। इसमें संगठन के क्रियाकलापों पर चर्चा होनी थी, लेकिन बैठक में सांगठनिक कार्यों पर कम, पल्लवी के आरोपों से मचे घमासान को लेकर चर्चा अधिक हुई। अनुप्रिया और आशीष ने पहले कार्यकर्ताओं की बैठक में इस मुद्दे पर पल्लवी के खिलाफ जमकर हमला बोला। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में भी दोनों नेताओं ने इसी मुद्दे पर भड़ास निकाली।

सड़क हादसे में युवक मरा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के यमुना पुश्ते पर अज्ञात वाहन से टक्कर लगने से एक युवक की मौत हो गई पुलिस वाहन चालक की तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि यमुना पुश्ते पर पैदल जा रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी निवासी आदित्य के रूप में हुई। आदित्य पैदल अपने कमरे की तरफ जा रहा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच की जा रही है।

'आप' करेगी पानी के बिल माफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों के लिए बड़ा ऐलान किया है, उन्होंने कहा कि 'आप' की सरकार बनने पर पानी के सभी ग़लत बिल माफ कर दिए जाएंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक और बड़ा एलान किया है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से कहा कि गलत पानी के बिलों को न भरें। जिन लोगों के गलत पानी के बिल

आए हुए हैं, उन्हें भरने की जरूरत नहीं है। चुनाव के बाद उनके गलत बिल माफ कर दिए जाएंगे।

हथियार के साथ दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने दो बदमाशों को तमंचा, कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे थे।

सेक्टर-19 चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि बेल कॉलोनी के सामने एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा हुआ है और उसके पास अवैध असलाह है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने युवक को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम आकाश कुमार पुत्र राजेंद्र दास निवासी गोविंदपुरी कालकाजी दिल्ली बताया।

सेक्टर-18 चौकी प्रभारी ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-18 चौराहे से बाइक सवार राजेश को गिरफ्तार किया। इसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने बताया कि वे आपराधिक वारदात को अंजाम देने के आदेश से घूम रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया है।

साइकिल सवार की दुर्घटना में मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू सोसायटी के पास सड़क हादसे में घायल हुए एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के बेटे ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

ग्राम होशियारपुर निवासी विकास ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 29 दिसंबर की सुबह उसके पिता राजकुमार अपनी साइकिल से काम करने के लिए सेक्टर-78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू आ रहे थे। स्पेक्ट्रम मॉल यूटर्न के पास तेज गति में आ रहे अज्ञात वाहन ने उनके पिता राजकुमार की साइकिल में टक्कर मार दी। इस हादसे में राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर स्थिति में राजकुमार को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

कमरे से फोन चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव में रहने वाले एक युवक का मोबाइल फोन घर से चोरी हो गया। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

छलेरा निवासी उमाशंकर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह रात्रि में अपने कमरे पर सो रहा था सुबह जब वह सोकर उठा तो उसका फोन गायब था। उसने अपने फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। उमाशंकर ने आशंका जताई है कि उसके घर की चार दिवारी के पीछे से अन्य इमारत जुड़ी हुई है। इन्हीं इमारत से कोई व्यक्ति कूद कर उसका फोन चोरी कर ले गया है।

ट्रांसफार्मर से तेल चुराया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-41 में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से चोरों ने तेल चोरी कर लिया। विद्युत विभाग के जेई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-39 स्थित विद्युत सब स्टेशन पर तैनात जेई राममिलन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सेक्टर-41 के ए ब्लॉक में 400 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। सेक्टर-41 के गार्ड ने उन्हें फोन कर सूचना दी कि 8 दिसंबर की रात्रि को अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर वाल्व खोलकर तेल चोरी कर लिया। इस सूचना के आधार पर जब वह मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया तो पता चला कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ट्रांसफार्मर की बॉडी के नीचे लगे वाल्व को खोलकर ट्रांसफॉर्मर ऑयल निकाला गया है। पुलिस का कहना है कि जेई की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

अग्र अलंकरण सम्मान समारोह को लेकर की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। आज अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा द्वारा अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के साथ आगामी कार्यक्रम को लेकर अग्रसेन भवन पर एक बैठक आयोजित की गई।

राष्ट्रीय चैयरमैन प्रदीप मित्तल ने आगामी 5 जनवरी 2025 को दिल्ली में होने वाले अग्र अलंकरण सम्मान समारोह कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया और कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सभी को आमंत्रित किया। साथ ही संगठन के द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। (शेष-3 पर)

नोएडा पब्लिक लाईब्रेरी में काव्योत्सव कल : महेश सक्सेना

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-15 स्थित नोएडा पब्लिक लाईब्रेरी में कल 5 जनवरी को काव्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन होगा। यह जानकारी नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने दी।

महेश सक्सेना ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी साहित्य अकादमी तथा नोएडा लोकमंच द्वारा किया जा रहा है। काव्योत्सव का आयोजन दोपहर 2 बजे से शुरू होगा।

इस मौके पर हिन्दी साहित्य अकादमी की संगठन प्रमुख तथा नामचीन कवियत्री डा. अनामिका जैन, अम्बर, राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ जैन सुमन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डा. प्रतीक गुप्ता, राष्ट्रीय महासचिव उमंग गोयल के अलावा राजेश श्रीवास्तव, पुनीत अग्रवाल, आरपी शर्मा, अवधेश तिवारी, गार्गी कौशिक, उषा श्रीवास्तव, ईशा भारद्वाज, किरण सिंह, गुरमीत सिंह, मुस्कान शर्मा, शिव कुमार चौरसिया व दिलीप चौरसिया शिरकत करेंगे।

सीईओ ने श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के दिये मूल मंत्र!

नोएडा (चेतना मंच)। नव वर्ष के अवसर पर हर अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्धता, मृदु व्यवहार, अनुशासन तथा धैर्य के साथ कार्य का संचालन का संकल्प लें। नव

● प्राधिकरण के सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना की

वर्ष में इसी निर्णय से हम नोएडा का समुचित विकास कर सकेंगे तथा नोएडावासियों के साथ न्याय कर सकेंगे। यह मूलमंत्र दिये नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम ने। वे एनईए द्वारा सेक्टर-6 में आयोजित नव वर्ष मिलन समारोह तथा आमसभा के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

डा. लोकेश एम ने कहा कि अक्सर ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के अधिकारी चर्चा करते हैं। इन दोनों प्राधिकरण की फाइलों में इतना पेंच है कि कार्य में सही निर्णय लेना कठिन हो जाता है। हर मामले में विवाद है। उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के मामलों में अन्य प्राधिकरणों के मुकाबले कामों के निष्पादन में पारदर्शिता तथा गति रहती है। इसका श्रेय पूर्व के अधिकारियों व कर्मचारियों को जाता है। जिन्होंने ईमानदारी से कामों का निष्पादन इतनी अच्छी तरह से किया कि वर्तमान अधिकारियों को कोई दिक्कत नहीं आती है। उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों को इसके लिए बधाई दी तथा प्राधिकरण के कर्मचारियों से उनसे प्रेरणा लेने की सलाह दी।

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
फ़ोन .08750611103

लोकतंत्र विरोधी

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके,लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार-बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था। जिसके बाद शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। कालांतर उन्होंने भारत में शरण ली थी। असल में, छात्र नेता दबाव बना रहे हैं कि वर्ष 1972 के बांग्लादेश के संविधान को फिर लिखा जाए। वे संविधान को मुजीबिस्ट चार्टर बता रहे हैं। आरोप है कि इसी ने भारत की आक्रामकता का मार्ग प्रशस्त किया। निश्चित रूप से मुजीब विरोधी आख्यान और भारत विरोधी बयानबाजी मिलकर बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर पानी फेर सकती हैं। ढाका को सलाह दी जानी चाहिए कि न तो वो दिल्ली से रिश्ते खराब करे और न ही मुजीब को इतिहास के कबाड़ के हवाले करे।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि भोजन (करने वालों) की बहुत सी पंगतें बैठीं। चतुर रसोइए परोसने लगे। स्त्रियों की मंडलियाँ देवताओं को भोजन करते जानकर कोमल वाणी से गालियाँ देने लगीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

गारीं मधुर स्वर देहिं सुंदरि बिंग्य बचन सुनावहीं।
भोजनु करहिं सुर अति बिलंबु बिनोदु सुनि सचु पावहीं॥
जेवँत जो बढ्यो अनंदु सो मुख कोटिहूँ न परै कह्यो।
अचवाँइ दीन्हें पान गवने बास जहँ जाको रह्यो॥

सब सुंदरी स्त्रियाँ मीठे स्वर में गालियाँ देने लगीं और व्यंग्य भरे वचन सुनाने लगीं। देवगण विनोद सुनकर बहुत सुख अनुभव करते हैं, इसलिए भोजन करने में बड़ी देर लगा रहे हैं। भोजन के समय जो आनंद बढ़ा वह करोड़ों मुँह से भी नहीं कहा जा सकता। (भोजन कर चुकने पर) सबके हाथ-मुँह धुलवाकर पान दिए गए। फिर सब लोग, जो जहाँ ठहरे थे, वहाँ चले गए।

दो0-बहुरि मुनिन्ह हिमवंत कहुँ लगन सुनाई आइ।
समय बिलोकि बिबाह कर पठए देव बोलाइ॥

फिर मुनियों ने लौटकर हिमवान को लगन (लग्न पत्रिका) सुनाई और विवाह का समय देखकर देवताओं को बुला भेजा॥

बोलि सकल सुर सादर लीन्हे। सबहि जथोचित आसन दीन्हे॥
बेदी बेद बिधान सँवारी। सुभग सुमंगल गावहिं नारी॥

सब देवताओं को आदर सहित बुलवा लिया और सबको यथायोग्य आसन दिए। वेद की रीति से वेदी सजाई गई और स्त्रियाँ सुंदर श्रेष्ठ मंगल गीत गाने लगीं॥

(क्रमशः..)

जगहंसाई से बचने के लिए निकालें समाधी स्थल का समाधान

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया।

देश में नेताओं की फितरत में शामिल हो चुका है किसी न किसी वजह से विवादों को जन्म देना। इसके लिए किसी का जन्म-मरण भी नहीं देखा जाता। विवादों के चलते राजनीति इतने निचले स्तर पर जा चुकी है कि दिवंगत विभूतियों को भी नहीं बख्शा जाता। इसमें नेताओं का अहम और राजनीतिक आड़े आ जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह भी इसी राजनीति का शिकार हो गए। सिंह की चिता की राख अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि उनकी समाधी स्थल को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और कांग्रेस तथा विपक्षी दल एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लग गए। दिल्ली में सिंह के स्मारक के लिए जगह को लेकर कांग्रेस और सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

सिंह के स्मारक के मुद्दे पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को देश के महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया है। राहुल गांधी के मुताबिक आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में असम्मान और कुप्रबंधन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि डीडी (दूरदर्शन) को छोड़कर किसी भी समाचार एजेंसी को अनुमति नहीं दी गई। डीडी ने मोदी और शाह पर ध्यान केंद्रित किया। सिंह के परिवार को बमुश्किल ही कवर किया। उन्होंने दावा किया कि सिंह के परिवार के लिए केवल तीन कुर्सियां सामने की पंक्ति में रखी गईं। कांग्रेस नेताओं, सिंह की बेटियों और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के लिए सीट की व्यवस्था की खातिर जद्दोजहद करनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि इस महान राजनेता के साथ इस अपमानजनक व्यवहार से सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी असंवेदनशीलता उजागर होती है। खेड़ा ने दावा किया कि हैरानी की बात यह रही कि जब भूटान के नरेश खड़े हुए, तो प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हुए। अंतिम संस्कार की रस्में निभाने वाले पोतों को चिता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा तथा विदेशी राजनयिकों को कहीं और बैठाया गया और वे नजर नहीं आए। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा कैसे पीछे रह सकती थी। यह देखे बगैर की इस मुद्दे पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भद्द पिटेगी, भाजपा पलटवार करने में पीछे नहीं रही। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देश के पूर्व प्रधानमंत्री सम्मानीय मनमोहन सिंह जी के दुखद देहावसान पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की इस घटिया सोच के लिए जितनी भी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को जीते-जी कभी भी वास्तविक सम्मान नहीं दिया, लेकिन अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। इस विवाद में आम आदमी पार्टी भी कूद पड़ी। (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। केजरीवाल ने सवाल किया कि सिख समाज से आने वाले और पूरी दुनिया में ख्यातिप्राप्त 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार

और समाधि के लिए भाजपा सरकार 1000 गज़ जमीन भी न दे सकी?

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी। आश्चर्य यह है कि अतिविशिष्ट व्यक्तियों के स्मारक के बारे कायदे-कानून का फैसला मनमोहन सिंह की ही सरकार ने वर्ष 2013 में लिया था। इसके मुताबिक दिल्ली में वीवीआईपी के लिए अलग से कोई स्मारक नहीं होगा और राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों जैसे दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के स्मारकों के लिए एक साझा परिसर बनाने का फैसला किया था। यूपीए सरकार ने राजघाट के पास अलग-अलग समाधियों के निर्माण पर रोक लगाने का फैसला लिया था। सिंह के समाधिस्थल को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री रहे नरसिम्हा राव की समाधि को लेकर किए गए बर्ताव को भूल गई। कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार राव के स्मारक के लिए 10 साल तक जगह नहीं दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री राव के कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी से राजनीतिक रिश्ते कभी सौहाद्रपूर्ण नहीं रहे। यही वजह रही कि कांग्रेस उनकी समाधि को लेकर उपेक्षा करती रही। साल 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तब स्मारक बनाने का प्रस्ताव दिया गया। तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने इस पर तेजी से काम किया। ऐसा नहीं है कि अतिशिष्टि व्यक्तियों की समाधिस्थल को लेकर विवाद आगे नहीं होगा। केंद्र में सत्ता बदलने पर फिर ऐसी ही हास्यादपद हालात पैदा हो सकते हैं। बेहतर यही होगा कि ऐसे मुद्दों पर तुच्छ राजनीति से परे राजनीतिक दलों को मिल बैठ कर स्थायी हल ढूंढना चाहिए, ताकि दिवंगत की आत्मा को शांति मिले और ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर जगहसाई से बचा जा सके।

- योगेन्द्र योगी

कमर्शियल टूरिज्म की राह चुने प्रदेश

एक पर्यटक के नाते यदि आप अपने राज्य का ही भ्रमण कर लें तो यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है और कहीं भारत भ्रमण करने की ठान लें तो भला आपसे बड़े जीवट वाला और कौन हो सकता है। घूमना फिरना, नई जगहों पर जाकर रोमांचित होना और नई जानकारियां एकत्रित करना, यह किसी भी यात्रा प्रेमी मनुष्य के लिए किसी सिद्धि अथवा महत्वपूर्ण सफलता पाने से कमतर बात नहीं हो सकती है। आधुनिक दौर में अमीर लोग तो अपने पर्यटन संबंधी शौक पूरे कर ही लेते हैं, वहीं अब कम आय वर्ग, व्यापारी वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवार भी बहुधा सपरिवार अपने निकटवर्ती मशहूर स्थलों या पड़ोसी राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों का दौरा कर रहे हैं। यदि इस पर्यटक वर्ग को सरकारी सेक्टर के होटलों में सस्ते कमरे और स्वादिष्ट भोजन सुविधाएं मिलें तो निश्चित तौर पर हिमाचल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन हाल ही में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के हिमाचल पर्यटन विकास निगम के घाटे में चल रहे 18 होटलों को पहले बंद करने तथा बाद में उन्हें 31 मार्च 2025 तक चलाने की मोहलत देने के आदेशों के आलोक में समझा जा सकता है कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी कार्यशैली के चलते पर्यटन निगम का अस्तित्व ही खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है?

अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि पर्यटन विभाग के कर्मचारियों को नियमित अंतराल पर रिफ्रेशर कोर्स करवाकर उन्हें गुणवत्तायुक्त सेवाओं हेतु तैयार किया जाए। भारत आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र तमिलनाडु राज्य है, जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। टॉप टेन की सूची में हिमाचल को पहुंचने के लिए अभी मीलों लंबा सफर तय करना पड़ेगा। हाल ही में हिमाचल सरकार और एशियन डिवेलपमेंट बैंक (एडीबी) के मध्य हुए एमओयू के बाद हिमाचल पर्यटन विभाग को 1378 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने जा रही है। प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों, क्रमशः कुल्लू, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और शिमला के पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हेरिटेज इमारतों का जीर्णोद्धार किया जाएगा एवं बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, साहसिक गतिविधियां, वाटर स्पोर्ट्स, टूरिस्ट प्लेस का सौंदर्यकरण, वेलनेस सेंटर, पर्यटकों के मनोरंजन को सुविधाएं, रीवर राफ्टिंग, पैरा ग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग, रोलर स्केटिंग रिंग और बाइकिंग ट्रैक्स विकसित किए जाएंगे, लेकिन इन सब कार्यों को पूर्णता में तैयार होने में समय लगेगा। सरकार को चाहिए कि वह पर्यटन को बढ़ावा देने और उसे राज्य की आर्थिकी का महत्वपूर्ण सोर्स बनाने के उपाय पर काम करे। हिमाचल प्रदेश में सरकारी

संपतियों का लेखा-जोखा होना चाहिए, जिनमें बीड़ स्थित पार्किंग और पैरा ग्लाइडिंग प्रशिक्षण संस्थान का भवन भी शामिल है। पहले सरकार के पास जो भवन और शौचालय हैं, उनकी मरम्मत, साफ-सफाई और रंग रोगन तो करवाए। आखिर किन उपायों से व्यवस्था परिवर्तन का सपना साकार होगा। अब तपोवन स्थित विधानसभा भवन के निकट एक भूभाग को चिन्हित किया गया है जहां होटल-कम-हॉस्टल का निर्माण हो सके।

उसकी चर्चाएं अखबारों की सुर्खियों में हैं, जहां फूड कोर्ट की व्यवस्था भी की जाएगी। अनुमान है कि इससे एक ओर जहां लगभग साल भर बंद रहने वाले विधानसभा भवन की देखरेख हो पाएगी, तो वहीं एंट्री टिकट से भी आय होगी। शीतकालीन सत्र के दौरान विधायकों तथा मंत्रियों आदि के रहने के इंतजाम निजी होटलों में होते हैं जिस पर काफी खर्चा होता है, इससे भी बचा जा सकेगा। यदि इरादे नेक हों तो विचार बुरा नहीं है, लेकिन पहले हिमाचल पर्यटन निगम के होटलों को घाटे से उबारने की कसरत करनी होगी। हिमाचल प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थलाकृतिक विविधता और प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है और पर्यटन राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 फीसदी का योगदान देता है। ऐसे समय में जब भारत की राजधानी दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों में वायु एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं, तो वहीं लगभग प्रदूषण रहित हिमाचल का शुद्ध वातावरण बाहरी पर्यटकों के हिमाचल प्रवास के लिए लाभदायी साबित हो सकता है। बस सरकार को पर्यटन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों शांति, प्राकृतिक सौंदर्यीकरण, परिवहन सुविधाएं, पार्किंग सुविधाएं, आतिथ्य सत्कार, कर्मचारियों का अच्छा विनम्र रवैया, ऐतिहासिक स्थलों तक पहंचने के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करने के लिए कमर कसनी होगी। यह सच भी है कि पर्यटन अपने सबसे अच्छे रूप में तब होता है जब गंतव्य स्थल अनुकूल जलवायु का दावा करते हों और निस्संदेह हिमाचल इस कसौटी पर खरा उतरता है। सुक्खू सरकार को एक पूर्णकालिक जिम्मेदार पर्यटन मंत्री की तैनाती के बारे में भी सोचना होगा जो व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का माद्दा रखता हो।

पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जहां होम स्टे, गाइड, टैक्सी ड्राइवर, टूर ऑपरेटर्स, हैंडीक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट, जैम इंडस्ट्री, अभयारण्य, स्थानीय कलाकार, बुनकर समेत विभिन्न सेक्टरों में लोगों को रोजगार के मौके मिलते हैं। इसके अलावा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग जैसे कि हस्तशिल्प विक्रेता, रेस्तरां मालिक, वेंडर्स और फुटकर विक्रेता भी रोजगार प्राप्त करते हैं। हिमाचल सरकार को चाहिए कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल, बेहतर कनेक्टिविटी, माइस टूरिज्म अर्थात (मीटिंग्स, इन्सेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन) ट्रेंड और नए होटल्स और रिसॉर्ट्स जैसे राजस्थान पर्यटन द्वारा अपनाए जा रहे फार्मूलों को हिमाचल में भी आजमाए। चूंकि वर्तमान समय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रचार के दौर वाला है, लिहाजा यह लाजिमी है कि हिमाचल पर्यटन निगम एवं विभाग को भी हिमाचल में पर्यटकों को आने और लुभाने के लिए मीडिया में सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाने की जरूरत है।

-अनुज आचार्य
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वास्थ्य मध्यम। मानसिक स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार आपका सही चलेगा। हरी वस्तु पास रखें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। गृहकलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान भी मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भुजा से लेकर नाक,कान और गला की परेशानी दिख रही है। व्यापार में नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, प्रेम-संतान मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
सिर दर्द,नेत्र पीड़ा, धन हानि, प्रेम-संतान ठीक है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा। हरी वस्तु पास रखें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। असमंजस वाले समाचार की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट-कचहरी से बचें। कोई नए व्यापार की शुरुआत न करें। व्यापारिक स्थिति अभी मध्यम रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मकर राशि की स्थिति थोड़ी मध्यम दिख रही है। यात्रा में कष्ट संभव है। अपमानित होने का भय रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। चोट-चपेट लग सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान मध्यम है। जीवनसाथी का साथ, सानिध्य और स्वास्थ्य सब मध्यम है।

शिक्षक दिवस के रूप में मनायी सावित्रीबाई फुले की जयंती

गाजियाबाद (**चेतना मंच**)। गाजियाबाद नगर निगम सामुदायिक केंद्र में सैनी वेलफेयर सोसाइटी (सैनी, कुशवाहा,मौर्य, शाक्य आदि) द्वारा माता सावित्रीबाई फुले की 194वें जन्म जयंती को प्रथम शिक्षिका दिवस के रूप में बहुत धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही डॉ. कौमूदी चौधरी,सदस्य,न्यायपीठ, बाल कल्याण समिति गाजियाबाद।कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा मुख्य रूप से माता सावित्रीबाई फुले एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला गया तथा उनके जीवन मूल्यों से सीख लेकर वर्तमान समाज में सुधार लाने एवं विकास की ओर अग्रसर होने का प्रण लिया गया।

डॉ कौमूदी चौधरी ने कहा कि जब एक महिला शिक्षित होती है तो एक परिवार शिक्षित होता है समाज शिक्षित होता है और देश शिक्षित होता है।आने वाले समय में जब केंद्रीय सरकार द्वारा महिला आरक्षण लागू होगा तब हमारी युवतीयों एवं महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होंगे ऐसी स्थिति में यदि हमारा महिला समाज शिक्षित बनेगा तो उन्हें अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और वह न केवल स्वयं का बल्कि अपने परिवार एवं समाज का भी विकास कर सकेंगे।

माता सावित्रीबाई फुले यदि आज से 191 वर्ष पहले सामाजिक क्रांति ला सकती हैं तो आज की नारी भी उतनी ही शिक्षित एवं सशक्त है जागरुक है और वह समाज में शिक्षा की क्रांति ला सकती है।

कार्यक्रम में समाज के मेधावी छात्र व छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए तथा समाज की प्रबुद्ध महिलाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के समापन में सैनी कुशवाहा वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक दल द्वारा संगठन के भवन निर्माण का प्रस्ताव रखा गया जिसमें संरक्षक दल के सभी सदस्यों द्वारा अपनी-अपनी क्षमता से धनराशि उपलब्ध कराने का प्रण लिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विमल कुमार शाक्य,संगठन के महासचिव शिशुपाल सिंह सैनी जी,प्रतिष्ठित समाजसेवी सचिन सैनी,डॉ पवन सैनी (सैनी हॉस्पिटल नोएडा),विक्रम सैनी, मंजू सिंह,सीमा कुशवाहा,सीमा शाक्य,गीता शाक्य,डॉ सीमा सैनी एवं समाज के अन्य विभूतियां वरिष्ठ जन महिलाएं व बच्चे सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहे।

जारचा थाना इंस्पेक्टर को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जारचा थाना इंस्पेक्टर से किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपबास ने मुलाकात कर किया सम्मानित।

दादरी तहसील के थाना प्रभारी जारचा सुमनेश,विकल को मूवमेंट पेन डायरी देकर स्वागत किया और किसान नेता राजकुमार रूपवास ने उनको किसानों से संबंधित आम आदमी की समस्याओं को बारे में अवगत कराया इंस्पेक्टर साहब ने आश्वासन दिया की हर किसान मजदूर बेसहारा लोगों की सहायता की जाएगी स्वागत के दौरान राजकुमार नेताजी अमित मुखिया आदि मौजूद थे।

हाथी दांत के लिए 500 से ज्यादा हाथियों का शिकार

आरटीआई में हुआ खुलासा, असम व प. बंगाल में सबसे ज्यादा शिकार

नोएडा (चेतना मंच)। हाथीदांत की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ऊंची कीमत के कारण पिछले 10 सालों में भारत में 500 से ज्यादा

हाथियों की हत्या कर दी गई। हाथियों का सबसे ज्यादा शिकार प.बंगाल और असम में किया गया है। सख्ती के बावजूद महज हाथी दांत के लिए अभी भी देश में हाथियों की हत्या की जा रही है;

शहर के समाजसेवी एवं पर्यावरणविद् रंजन तोमर ने आरटीआई के माध्यम से कुछ चौंकाने वाले खुलासे किये हैं। हाथियों के शिकार के एक प्रमुख कारण उनका हाथी दांत अर्थात आइवरी है, जिसके दस साल का ब्यौरा श्री तोमर को वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो द्वारा दिया गया है साथ ही कितने शिकारियों को गिरफ्तार किया गया इसकी जानकारी भी ब्यूरो द्वारा साझा की गई

आइवरी के व्यापार पर रोक जरूरी

डॉ. रंजन तोमर ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा की यह बेहद दुखद है की आज के परिवेश में भी हाथियों का शिकार जारी है और हाथीदांत की बरामदगी लगातार हो रही है। वह इस विषय में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय एवं राज्यों को भी लिखेंगे ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके और हाथियों के बचाव हेतु कड़े कानून बन सकें।

है। आरटीआई के माध्यम से दी गई जानकारी के मुताबिक 2014 में देश भर में कुल मिलाकर 50 हाथीदांत जब्त हुए और 52 शिकारियों को गिरफ्तार किया गया। 2015 में 42 आइवरी जब्त हुई और 37 गिरफ्तारियां हुई , 2016 में क्रमश: 26 और 47 रहा, 2017 में 39 हाथीदांत जब्त हुए

और 40 शिकारी गिरफ्तार हुए, 2018 में क्रमश: 44 और 46 का आंकड़ा रहा, 2019 में हाथीदांत का आंकड़ा 68 हो गया और 41 शिकारी गिरफ्तार हुए, 2020 में 39 हाथीदांत जब्त हुए और 47 गिरफ्तारी हुई, जबकि 2021 में भी 73 तक हाथीदाँतों का आंकड़ा पहुँच गया , इस वर्ष 64 गिरफ्तार हुए , 2022 में यह आंकड़ा क्रमश: 60 और 65 का रहा। जबकि 2023 में 43 हाथीदांत पकडे गए और 48 शिकारी गिरफ्तार हुए , 2024 में यह आंकड़ा घटकर हाथीदांत का 16 और गिरफ्तारियों का 19 पर आगया।

पश्चिम बंगाल एवं असम में सबसे ज्यादा शिकार

2014 में सबसे ज्यादा आइवरी नागालैंड में बरामद हुई जहाँ 14 और दूसरे पर तमिल नाडु जहाँ 10 बरामदगी हुई, 2015 में पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड 21 आइवरी बरामद हुई, 2016 में कर्नाटक में 7 आइवरी बरामदगी हुई, 2017 में कर्णाटक में 13 जब्ती हुई, 2018 में पश्चिम बंगाल में फिरसे 22 हाथीदांत पकडे गए, 2019 में तमिल नाडु में 16 और पश्चिम बंगाल और मेघालय में 13-13 हाथीदांत बदामद हुए, 2020 में असम में 11 और उत्तराखंड में 9 हाथीदांत पकडे गए, 2021 में असम में 13 और बिहार में 11 हाथीदांत बरामद हुए, 2022 में यह आकंड़ा सबसे ज्यादा मेघालय और झारखण्ड रहा जहाँ 10-10 हाथीदांत बरामद हुए, 2023 में फिर असम हाथीदांत देश भर में सबसे ज्यादा बरामद हुए। 2024 में पश्चिम बंगाल में 6 हाथीदांत बरामद हुए।

निर्वाचन नामावली का प्रकाशन 7 जनवरी को

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर अतुल कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी के आधार पर चल रहे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की फोटो युक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन हेतु पूर्व में 06 जनवरी 2025 नियत थी। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुसार निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन की तिथि 6 जनवरी के स्थान पर 7 जनवरी कर दी गयी है। अत: निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 07.01.2025 को जनपद के समस्त मतदान केंद्रों/मतदेय स्थलों पर किया जाएगा।

पंजाबी एकता समिति ने जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया। कम्बल वितरण कार्यक्रम में सुरिंदर कुमार सोनी एवं जुगल किशोर चाचरा द्वारा किया गया।

(पंजी) परिवार के अध्यक्ष वीरेंदर मेहता के नेतृत्व में नोएडा के सेक्टर- 65 में एक विशाल कम्बल 1001 कम्बल का वितरण मुख्य अतिथि जसविंदर सिंह खोकर, राजन ठुकराल, सुरिंदर मेहता, कम्बल वितरण कार्यक्रम में नोएडा पंजाबी एकता समिति परिवार के महासचिव नरेन्द्र चोपड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता, कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, उपाध्यक्ष नवीन सोनी, कार्यकारिणी सदस्य बी. के.मेहता, जयंत मेहता, राकेश खन्ना, पुनीत कपूर सेक्टर - 51 वाले,पुनीत कपूर सेक्टर-107, नरेन्द्र सचदेवा, संजीव सेठ,अंतेश भंडारी, राजू कौल, महेंद्र कटारिया, अंकुर बंसल, रमन तलवार,श्रीमती कमलेश चाचरा, श्रीमती सरोज सोनी, योगिता सोनी, मंजु मेहता, नेहा चोपड़ा, उर्वशी चाचरा, डॉली मेहता, युवी, राघव एवं विशाल संख्या में मातृ शक्ति ने हिस्सा लिया।

हास्य कविता

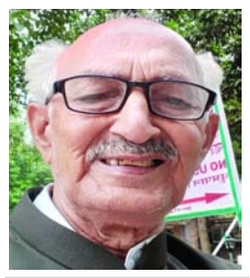

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

हमारे देश में सर्व धर्म समभाव है
लेकिन इसमें भी बड़ा राज है
हम सब धर्मों का आदर तो करते हैं
लेकिन सच तो यह है कि
यहां पर लोग धर्म के नाम पर ही मरते हैं
धर्म के ज्वर की विदेशी बीमारी का देसी उपचार है
हिंदुस्तानी सीने में
पाकिस्तानी बुखार है।

पृष्ठ एक के शेष....

कड़ाके की ठंड ....

दर्ज किया गया। वाराणसी और कानपुर में घने कोहरे ने यातायात बाधित कर दिया है। ठंड के कारण स्कूलों में उपस्थिति भी कम हो रही है। उत्तर प्रदेश में तापमान 14 डिग्री सेल्सियस है। आर्द्रता का स्तर 48% है। कई जगहों पर धूप खिली हुई है। हवा तीन मील प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में चल रही है। विजिबिलिटी छह मील है, और वायुमंडलीय दबाव 30 इंच है। UV इंडेक्स 0 है, जो कि धूप में बाहर रहने के लिए सुरक्षित है। अगले कुछ दिनों के लिए मौसम साफ रहने की उम्मीद है। 5 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक धूप खिले रहने की संभावना है। तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा।

अग्र अलंकरण सम्मान....

इस अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंघल, अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता महासचिव मनोज गोयल कोषाध्यक्ष पुनीत गर्ग पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र जैन संजय गोयल श्रीकांत बंसल मोहनलाल गुप्ता सुनील गुप्ता संदीप अग्रवाल डीके मित्तल राधा कृष्ण गर्ग प्रदीप अग्रवाल देवेंद्र गंगल सुशील सिंघल विपिन अग्रवाल सीए मनोज अग्रवाल रोहतास गोयल सुरेंद्र गर्ग नेत्रपाल अग्रवाल अनिल गुप्ता बाबूलाल बंसल अमीश राजवंशी अनिल गुप्ता विजय मनोज गोयल बृजवासी तुषार गोयल मयंक अग्रवाल आदि सैकड़ों लोग शामिल थे।

स्टेडियम में लगा ....

अपने सफेद रंग की कार में इनडोर स्टेडियम एवं फुटबॉल ग्राउंड के मध्य मार्ग तथा योग मूर्ति के आसपास की नाली के ऊपर रख लोहे के जाल को उठाकर अपनी गाड़ी में रखता हुआ सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है। अमित शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश करने का प्रयास कर रही है।

सीएम योगी से मिले ....

दरअसल, पिछले कई दिनों से पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभागाध्यक्ष के पद पर पदोन्नति का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। इस पर दो दिन पहले अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने आक्रामक रूप से पल्लवी पटेल पर हमला बोला। अनुप्रिया ने कहा कि हम साजिशों से डरने वाले नहीं हैं।

वहीं आशीष पटेल ने कहा कि मेरे खिलाफ षडयंत्र करने वालों में हिम्मत है, तो मुझे बदनाम कराने की साजिश रचने वाले पैर के बजाए मेरे सीने में गोली मार लें। दोनों नेताओं ने कहा कि किसी कार्यकर्ता के साथ साजिश बर्दाश्त नहीं करेंगे और मुंहतोड़ जवाब देंगे। कहा कि ऐसी साजिशों का जवाब संगठन की ताकत से दिया जाएगा ।

गाड़ी पर भाजपा का झंडा लगाकर बिगडैल युवकों की रीलबाजी

नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया पर छाने का जुनून अब एक खतरनाक ट्रेंड बनता जा रहा है। जिसमें न तो युवकों को कानून का डर है और न ही किसी तरह के जुर्माने की चिंता। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सवार तीन लड़के सड़कों पर स्टंट करते हुए नजर आ रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, वायरल हो रहा वीडियो नोएडा के सेक्टर 126 का बताया जा रहा है। वीडियो में एक युवक गाड़ी की बोनट पर बैठा है, जबकि बाकी दो युवक गाड़ी की खिड़कियों से लटकते हुए रील बना रहे थे। युवाओं की इस हरकत से वो ना सिर्फ अपनी जान को जोखिम में डाल रहे हैं बल्कि उनके इस खतरनाक करतब से आम जनता को भी खतरा हो सकता है।

नोएडा के वायरल हो रहे इस वीडियो में सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि इस फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सत्तारूढ़ पार्टी का झंडा भी लगा हुआ था, जिससे इन युवकों को यह लग रहा था कि उन्हें कोई डर या रोक-टोक नहीं होगी। जब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और इन लड़कों के खिलाफ कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत इन पर 33 हजार रुपये का जुर्माना लगाया और उन्हें कानून का पाठ पढ़ाया।

मेट्रो पिलर के नीचे मिला शव

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के छिजारसी के पास मेट्रो पिलर के नीचे एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि किसी व्यक्ति ने सूचना दी की छिजारसी के पास मेट्रो पिलर के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। मौके से पुलिस को कुछ दवाइयां मिलीं हैं। थाना प्रभारी ने आशंका जाता है की संभावित है बीमारी की वजह से उक्त व्यक्ति की मौत हुई है मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष के आसपास है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

कंपनी कर्मचारी ने चुराई लाखों की दवाईयां

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एक कंपनी में हुई दवाई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 50 हजार रुपए मूल्य की दवाइयां बरामद हुई है। पकड़ा गया आरोपी कंपनी में ही एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत था। पुलिस इसके एक अन्य साथी की भी तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि 11 दिसंबर को कंपनी के प्रबंधक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कंपनी से करीब दो लाख रुपए की दवाइयां चोरी हो गई हैं। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज खंगली तो उसमें सुमित शर्मा पुत्र कृष्ण कुमार व अन्य व्यक्ति का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने सुमित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया इसके पास से करीब 50 हजार रुपए मूल्य की चोरी की दवाइयां बरामद हुई है।

सुमित शर्मा ने बताया कि उसने अपने एक अन्य साथी की मदद से कंपनी में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक सुमित शर्मा कंपनी में एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत था। मौका देखकर उसने अपने साथी के साथ चोरी की घटना को अंजाम दिया था पुलिस इसके दूसरे साथी की भी तलाश कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9,
सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर
(यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

सैमसंग को भारत में एसी बिजनेस पर पूरा भरोसा, 2025 में लॉन्च करेगा नए विंडफ्री मॉडल

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने 2025 में एयर कंडीशनर के एक दर्जन से अधिक मॉडल लॉन्च करने की योजना बनाई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण कोरिया की उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी अपने उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाना चाहती है और भारत में रूम एसी सेगमेंट में एक पसंदीदा ब्रांड बनना चाहती है। सैमसंग के नए एसी मॉडल कंपनी के मालिकाना हक वाले बीस्पोक एआई समाधानों से पावर्ड होंगे और इसके द्वारा उन उपभोक्ताओं को लक्षित किया जाएगा जो प्रीमियम एसी खरीदना चाहते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की श्रेणियों में सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज के घरेलू उपकरणों को भारतीय बाजार में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और यह सैमसंग को रूम एयर कंडीशनर सेगमेंट में विस्तार करने के लिए एक मजबूत शुरुआत देता है। कंपनी की योजना से अवगत डीलरों ने कहा कि सैमसंग की नई एसी रेंज शक्तिशाली एयर कंडीशनर को लेकर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करेगी। इस रेंज में तेज और आरामदायक कूलिंग, ऊर्जा की बचत, सहूलियत और ड्यूरेबिलिटी को खूबसूरती के साथ मिलाया गया है। भारतीय रूम एयर-कंडीशनर (आरएसी) उद्योग उल्लेखनीय विकास के लिए तैयार है और कई विश्लेषकों ने 2025 में बिक्री की मात्रा में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 650 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड, जो कच्चे इस्पात की क्षमता के मामले में दक्षिण भारत में शीर्ष 5 (पांच इस्पात उत्पादकों में से एक है, और 10 इस्पात उत्पादों और औद्योगिक उत्पादों का निर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है। (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (10 प्रत्येक अंकित मूल्य) के माध्यम से 65,000 लाख [650 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों की पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बनाई है। (कुल पेशकश आकार) कुल प्रस्ताव आकार में 60,000 लाख [600 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (ताजा निर्गम) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 5000 लाख [50 करोड़] तक का बिक्री हेतु प्रस्ताव (बिक्री हेतु प्रस्ताव) शामिल है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

सोनी लिव पर राजश्री प्रोडक्शन्स की पेशकश बड़ा नाम करेंगे का जल्द होगा प्रसारण

मुंबई एजेंसी। सूरज आर. बड़जात्या के साथ ओटीटी पर प्यार और परिवार के अनमोल जादू का अनुभव करने के लिये तैयार हो जाईये। दिल को छू लेने वाली कहानियों और पारिवारिक मूल्यों की समृद्ध परंपरा के साथ, राजश्री प्रोडक्शन्स अपने बहुप्रतीक्षित डिजिटल डेब्यू बड़ा नाम करेंगे के साथ नया अध्याय शुरू कर रहा है। पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित यह श्रृंखला एक ऐसी प्रेम कहानी है, जो जड़ों की ओर लौटने का संदेश देती है। यह दिलों को छू लेने वाली कहानी सोनी लिव पर जल्द ही प्रीमियर के लिए तैयार है। आज रिलीज़ हुए टीज़र में, हमें एक ऐसी कहानी का झलक मिलती है, जो हंसी, प्यार और परिवार के अनमोल रिश्तों से भरी हुई है।

सोने की उड़ान तीसरे दिन भी जारी, चांदी हुई और मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल लगातार तीसरे दिन सोना-चांदी के भाव में तेजी बरकरार है। आज यानी शुक्रवार 3 जनवरी को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना औसतन 390 रुपये महंगा होकर 77469 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी के भाव में आज 500 रुपये प्रति किलो की उछाल है। आज चांदी 87667 रुपये प्रति किलो के औसत रेट पर खुली। यह रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किया है, जिसमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। बता दें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन 104 साल पुराना एसोसिएशन है। आइबीजेए दिन में दो बार दोपहर और शाम को गोल्ड रेट जारी करता है। ये दरें वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के अनुसार सॉवरेन और बॉन्ड जारी करने के लिए बेंचमार्क दरें हैं। आइबीजेए के 29 राज्यों में कार्यालय हैं और यह सभी सरकारी संस्थाओं का हिस्सा है।

कैरेट के हिसाब से चेक करें गोल्ड सिल्वर के रेट- सोने की कीमत कैरेट के हिसाब से तय होती है। हम सोना 24 कैरेट और ज्वैलरी 22 कैरेट खरीदते हैं, जिसकी कीमत बहुत कम होती है।

सोनाटा पेश करते हैं नया स्लीक कलेक्शन

मिनिमलिस्ट मास्टरपीस, जो सटीकता और स्टाइल के साथ घड़ियों को देगा नया आयाम

मुंबई , एजेंसी। भारत के अग्रणी वॉच ब्राण्ड सोनाटा ने अपनी आइकोनिक स्लीक सीरीज़ के छठे संस्करण -स्लीक कलेक्शन का अनावरण किया। यह नया लॉन्च भव्यता और इनोवेशन को नया आयाम देने की सोनाटा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, इसके साथ कंपनी अपने इतिहास में सबसे स्लिम मैन्स वॉचकेस लेकर आई है। बोल्ड नई पहचान और सोच-समझ कर बनाई गई रेंज के साथ यह कलेक्शन आज के युवा प्रोफेशनल्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। अरबन एवं सब-अरबन प्रोफेशनल्स के लिए पेश किया गया स्लीक कलेक्शन सदाबहार डिज़ाइन के साथ आधुनिकता का बेहतरीन संयोजन है। उद्योग जगत की रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों में मध्यम कीमत वाली घड़ियों की मांग तेज़ी से बढ़ रही हैं, जो स्टाइल के साथ-साथ पैसा वसूल भी हों। सोनाटा का नया स्लीक कलेक्शन इसी मांग को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है जो किफ़ायती दाम में शिक लुक देता है। अल्ट्रा-स्लिम 6.05 एमएम प्रोफाइल, डिश कन्स्ट्रक्टेड बॉटम के साथ ये

घड़ियां कलाई पर खूबसूरती से फिट हो जाती हैं। इस कलेक्शन की घड़ियों में मैटल, लैदर और मैश स्ट्रैप के विकल्प हैं जो युवा मिलेनियल्स, जेन ज़ी प्रोफेशनल्स की जीवनशैली के साथ बखूबी मैच करते हैं।

ऑप्टिमस ने भारत में ड्रोन आधारित स्पेक्ट्रम एनालाइजर सॉल्यूशंस लांच करने के लिए जर्मनी की एलएस स्पेक्ट्रम से साझीदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के अग्रणी समूह ऑप्टिमस इंफ्राकॉम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (ओयूएस) ने भारतीय बाजार में एलएस स्पेक्ट्रम के अत्याधुनिक ड्रोन आधारित स्पेक्ट्रम एनालिसिस सॉल्यूशंस की मार्केटिंग, अंसेबली और वितरण करने के लिए जर्मनी स्थित एलएस टेलीकॉम एजी की अनुषंगी कंपनी एलएस स्पेक्ट्रम सॉल्यूशंस प्रा. लि. के साथ साझीदारी की आज घोषणा की। अपने ड्रोन व्यवसाय और मेक इन इंडिया को और गति देते हुए ऑप्टिमस की एलएस स्पेक्ट्रम के साथ साझीदारी, इसकी रक्षा पेशकश में पासा पलटने वाली साबित होगी और यह इस बाजार में कंपनी को और मजबूती प्रदान करेगी। इस साझीदारी से ड्रोन आधारित सॉल्यूशंस से परे जाने की संभावना है और कंपनी स्पेक्ट्रम सर्विलांस, दिशा खोजने और जियोलोकेशन, इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट उपाय, सिग्नल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक काउंटर उपायों जैसी विभिन्न क्षमताओं के जरिए स्पेक्ट्रम के प्रबंधन, अवलोकन के लिए इस बाजार में गहरी पैठ बनाएगी। इस रणनीतिक साझीदारी के जरिए शुरुआत में ऑप्टिमस एलएस स्पेक्ट्रम के लिए एडवांस्ड स्पेक्ट्रम एनालाइजर ड्रोन की बिक्री करेगी। ये उत्पाद रक्षा में विभिन्न क्षेत्रों में स्पेक्ट्रम निगरानी में बदलाव लाने की स्थिति में हैं। एलएस स्पेक्ट्रम भारतीय बाजार को मूल्य प्रदान करने के लिए स्पेक्ट्रम विश्लेषण टेक्नोलॉजी में अपनी गहरी विशेषज्ञता लाएगी और मेक इन इंडिया का उद्देश्य पूरा करेगी। ये ड्रोन निर्बाध रूप से पता लगाने और स्पेक्ट्रम उपयोग का विश्लेषण करने में सपोर्ट करेंगे जिससे भारत में संचार फ्रिक्वेंसीज के प्रबंधन को सुधारा जा सकेगा। यह साझीदारी भारतीय बाजार के लिए अत्याधुनिक दूरसंचार और ड्रोन आधारित सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने की दिशा में योगदान करने की दोनों कंपनियों की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और ढांचागत सुविधाओं का उपयोग कर ओयूएस दूरसंचार, रक्षा, गृह सुरक्षा और नागर विमानन सहित विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करेगी और भारतीय संगठनों को किफायती, सटीक और अनूठे समाधान से सशक्त करेगी जो स्पेक्ट्रम विश्लेषण और निगरानी के लिए विशेष रूप से होंगे। ऑप्टिमस इंफ्राकॉम के चेयरमैन श्री अशोक गुप्ता ने कहा, हम हमारे उत्पादों का पोर्टफोलियो बढ़ाते हुए और ओयूएस द्वारा दी जा रही सेवाओं को लेकर उत्साहित हैं। हम इस गठबंधन को भारतीय रक्षा, गृह सुरक्षा और विमानन उद्योग के लिए गुणवत्तापूर्ण सॉल्यूशंस प्रदान करने की दिशा में हमारी वितरण एवं स्थानीयकरण क्षमताओं का उपयोग करने का एक आदर्श अवसर मानते हैं और इस वैश्विक साझीदारी से मेक इन इंडिया की कहानी आगे बढ़ेगी। इस साझीदारी से इस बाजार

एसआरएमआईएसटी में सिगारम यूथ फेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न

चेन्नई, एजेंसी। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), कत्तनकुलथुर ने 38वें एआईयू इंटर-यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल, एसआरएम सिगारम की मेजबानी की। यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ इंडियन

यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के शताब्दी वर्ष का प्रतीक था। सिगारम यूथ फेस्ट में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों की अद्भुत प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक और बौद्धिक कार्यक्रमों की श्रृंखला मुख्य आकर्षण रही। यह पांच दिवसीय उत्सव विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरा हुआ था और इसका उद्घाटन एसआरएमआईएसटी के संस्थापक चांसलर डॉ. टी.आर. पारिवेंधर ने किया। अपने भाषणों में एसआरएमआईएसटी के वाइस चांसलर और एआईयू की एडिशनल सेक्रेटरी ममता अग्रवाल ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं के सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के 21 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

इस महोत्सव में विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे, जैसेः महात्मा गांधी विश्वविद्यालयः चेंडा मेलम और तिरुवथिराई काली ,भारतीदासन विश्वविद्यालयः पैरा ड्रम के साथ लोक प्रदर्शन, श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालयः मोहिनीअट्टम, भरतनाट्यम, और मार्शल आर्ट्स, अमृता विश्व विद्यापीठमः शास्त्रीय कर्नाटिक और मलयालम गीत, गांधिग्राम रूरल इंस्टीट्यूटः मयिलअट्टम और ओयिलअट्टम लोक नृत्य,केरल विश्वविद्यालयः थेय्यम, मोहिनीअट्टम और तिरुवथिराई काली, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजीः भरतनाट्यम, ओयिलअट्टम, और राजा राजा चोलन की लाइव पेंटिंग, इसके अलावा, महोत्सव में एकांकी नाटक, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, और ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग जैसे बौद्धिक कार्यक्रम भी शामिल थे।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन - अरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज

भोपाल। अग्रणी एनबीएफसी एमएफआई, अरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज, एक एनजीओ के साथ मिलकर दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच मध्य प्रदेश के 20 स्थानों पर स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य पिछड़े वर्ग पर रहने वालो के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच सीमित है। इस पहल के तहत अरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज द्वारा छिंदवाड़ा, मंडला, अलीराजपुर, अनूपपुर, कटनी, शिवपुरी, रायसेन, झांसी, सिंधी, सीहोर, शहडोल, देवास, झाबुआ, धार, सतना, पन्ना और हरदा जैसे जिलों में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई जांच आदि जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिन व्यक्तियों में सामान्य बीमारियां पाई जाएंगी, उन्हें आवश्यक दवाइयां दी जाएंगी, जबकि विशेष उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों को जिला सरकारी अस्पतालों में भेजा जाएगा। आगे चलकर, अरोहन 151 स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करेगा, जिसमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल मेंलोगों की जांच की जाएगी।

एनएमडीसी ने दिसंबर माह में उत्पादन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

हैदराबाद, एजेंसी। वित्त वर्ष 25 में 50 मीट्रिक टन उत्पादन के मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध सरकारी खनिक एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से अब तक दिसंबर महीने का अपना सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया। एनएमडीसी ने दिसंबर 2024 में 4.71 एमटी उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, और 3.91 एमटी बिक्री बिक्री दर्ज की।

कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2024 के अंत तक 30.77 एमटी का संचयी उत्पादन और 31.80 एमटी की संचयी बिक्री की सूचना दी। पिछले वर्ष की तुलना में संचयी आंकड़ों में मामूली गिरावट के बावजूद, तीसरी तिमाही में एनएमडीसी के असाधारण प्रदर्शन ने समग्र गति को बनाए रखा और एक आशाजनक चौथी तिमाही का संकेत दिया। तीसरी तिमाही में 13.29 एमटी का उत्पादन कंपनी के इतिहास में तीसरी तिमाही का सबसे अधिक उत्पादन है जो परिचालन उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करता है।

इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, हमने स्थिर प्रदर्शन के साथ मानसून की मंदी और कीमतों में गिरावट को पार कर लिया है।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने भारत में 25 नई शाखाओं का उद्घाटन किया, वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता को किया मजबूत

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी म्यूचुअल फंड हाउसों में से एक एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 25 नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। यह पहल कंपनी द्वारा अपनी पहुंच बढ़ाने और देश में म्यूचुअल फंड में निवेश को और अधिक सुलभ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। ये नई शाखाएं यानी बिजनेस सेंटर भरतपुर, भुसावल, वराछा, बोपल, वाकड, चित्तौड़गढ़, जालना, आजमगढ़, पूर्णिया, सीतापुर, बस्ती, आरा, बदलापुर, काशीपुर, फिरोजपुर, बारासात, बरहामपुर (मुर्शिदाबाद), बोलपुर, कोल्लम, खम्मम, होसुर, हसन, नागरकोइल, विजयनगरम और तंजावुर में खोले जाएंगे। नई शाखाएं एचडीएफसी एएमसी को देश में सबसे सुलभ धन सृजनकर्ताओं में से एक बनाती हैं और कंपनी के मिशन को रेखांकित करती हैं – हर भारतीय के लिए धन सृजनकर्ता बनना। इस विस्तार से एचडीएफसी म्यूचुअल फंड का नेटवर्क देश भर में 250 से अधिक शाखाओं तक बढ़ गया है, जिससे शहरी और अर्ध-शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों के लिए वित्तीय समाधान करीब आ गए हैं। छोटे शहरों और उभरते आर्थिक केंद्रों में शाखाएं खोलकर, कंपनी का लक्ष्य कम सेवा वाले बाजारों में वित्तीय साक्षरता और सेवाएं प्रदान करना है। यह पहल पूरे भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की सेबी की पहल के साथ सहज रूप से संरेखित है। इस महत्वपूर्ण विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, एचडीएफसी एएमसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री नवनीत मुनोत ने कहा, एचडीएफसी एएमसी में, हमारा मिशन प्रत्येक भारतीय के लिए धन सृजनकर्ता बनना है। देश भर में 25 नई शाखाओं का जुड़ना इस मिशन के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रत्येक शाखा एक पुल के रूप में कार्य करती है, जो स्थानीय आकांक्षाओं को सही निवेश अवसरों से जोड़ती है। हम व्यापक निवेश समाधान प्रदान करके वित्तीय परिदृश्य को बदलने के लिए समर्पित हैं जो प्रत्येक भारतीय को देश की आर्थिक विकास कहानी में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने दुबई की सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में निवेश पूरा किया

मुंबई, एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई- 532850, एनएसई), जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है, ने दुबई स्थित अपनी सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में 51 करोड़ के निवेश को पूरा करने की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स ट्रेडिंग में कार्यरत है।

हाल ही में कंपनी को जीपीएस आधारित पब्लिक एड्रेस एंड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम और एसी एवं नॉन-एसी रेलवे कोचों में एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड्स के लिए क्षमता एवं योग्यता मूल्यांकन (कैपेसिटी कम कैपबिलिटी असेसमेंट) की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके अलावा, कंपनी ने एमआईसीके डिजिटल इंडिया लिमिटेड नामक एक पूरे मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी का गठन किया है। यह सहायक कंपनी सभी प्रकार के स्मार्ट मीटर, डिजिटल मीटर, रूफ माउंटेड एसी पैकेज यूनिट्स , इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम, मिनी कंप्यूटर, माइक्रोप्रोसेसर आधारित सिस्टम और कंप्यूटर पेरिफेरल्स के निर्माण और व्यापार के लिए कार्य करेगी।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 1988 से एलईडी वीडियो डिस्प्ले, उच्च-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार उपकरणों के डिजाइन, विकास और निर्माण में अग्रणी रही है। यह आईएसओ 9001:2008 और आईएसओ 14001:2004 प्रमाणित कंपनी है, जो एलईडी वीडियो, ग्राफिक्स और टेक्स्ट डिस्प्ले, एलईडी लाइटिंग सॉल्यूशंस, एंबेडेड सिस्टम, दूरसंचार सॉफ्टवेयर, और संचार व इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के गतिशील क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति बना चुकी है।

एमआईसी के प्रमुख उत्पाद, एलईडी वीडियो डिस्प्ले (इनडोर, आउटडोर, और मोबाइल), खेल स्टेडियमों, परिवहन केंद्रों, डिजिटल थिएटरों, थीम पार्कों, विज्ञापनों, और सार्वजनिक सूचना डिस्प्ले के लिए महत्वपूर्ण बन चुके हैं। कंपनी का हेडक्वार्टर हैदराबाद में स्थित है, जो भारत के सबसे तेजी से बढ़ते आईटी शहरों में से एक है।

मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड ने डीसी 2 मर्क्यूरी कार्स प्राइवेट लिमिटेड में 69.84 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

मुंबई, एजेंसी। मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड (बीएसई-531357), जो इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन में एक प्रमुख कंपनी है, ने डीसी2 मर्क्यूरी कार्स प्राइवेट लिमिटेड और अनुराधा बी. छाबड़िया (विक्रेता) के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी 25,00,000 इक्विटी शेयरों में से 69.84 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इस अधिग्रहण के बाद, लक्षित कंपनी को अधिग्रहक की सहायक कंपनी माना जाएगा।

डीसी2 मर्क्यूरी कार्स मुख्य रूप से यात्री कारों, स्पोर्ट्स कारों और कारों के संशोधन का डिजाइन करती है। कंपनी के मुख्य डिजाइनर श्री दिलीप छाबड़िया (डीसी) के होने के कारण, उनकी कारों के डिजाइन में विशेषज्ञता मर्क्यूरी ईवी-टेक लिमिटेड के लिए उनके असाधारण कौशल का एक सजीव उदाहरण बनेगी। डीसी मर्क्यूरी कार्स के ब्रांड के तहत यह सहयोग उत्पादों की बाजार में स्वीकृति बढ़ाने और आगामी वर्षों में व्यापार वृद्धि को प्रेरित करने की उम्मीद है। यह रणनीतिक अधिग्रहण मर्क्यूरी ईवी-टेक के उत्पाद पोर्टफोलियो में एक और पहलू जोड़ देगा।

डीसी मुख्य रूप से मौजूदा कारों का डिजाइन कर रहा है और उनकी विभिन्न स्पोर्ट्स और एसयूवी कार डिजाइन भी हैं, जिन्हें मुख्य डिजाइनर श्री दिलीप छाबड़िया (डीसी) द्वारा डिजाइन किया गया है।

सीआरआई पंप्स ने हासिल की एक बड़ी उपलब्धि

एमएसईडीसीएल, मुंबई, महाराष्ट्र से 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम के लिए 754 करोड़ रुपयों का ऑर्डर प्राप्त किया

मुंबई, एजेंसी। सी.आर.आई. पंप्स ने अपनी प्रतिबद्धता को स्थिरता और अक्षय ऊर्जा समाधान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंचाते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड , मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए शामिल किया गया है। इस ऑर्डर का मूल्य 754 करोड़ रुपये है और यह मागेल त्याला सौर कृषी पंप योजना का हिस्सा है। इस नियुक्ति के साथ, सीआरआई. पंप्स अक्षय ऊर्जा समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देने, महाराष्ट्र के कृषि परिदृश्य को सशक्त बनाने और एक हरित एवं अधिक स्थायी भविष्य में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सीआरआई ग्रुप के चेयरमैन श्री जी. सौंदरराजन ने कहा, हमारे लिए यह सम्मान की बात है कि एमएसईडीसीएल ने इन सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए हमें चुना है। यह बड़ा ऑर्डर नवाचार और ऊर्जा-कुशल, टिकाऊ पंपिंग समाधानों के विकास में सीआरआई की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारी मजबूत निष्पादन क्षमताओं, गहन उद्योग विशेषज्ञता और क्षेत्रीय नेटवर्क के साथ, सीआरआई पंप्स इन सिस्टम्स की निर्बाध डिलीवरी और इंस्टॉलेशन सुनिश्चित करता है। जब विश्व अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रहा है, सीआरआई पंप्स पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने वाले सौर पंपिंग सिस्टम प्रदान करने के प्रति पूरी तरह समर्पित है।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन पहुंचे 47,566 दर्शक

सिडनी, एजेंसी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड ने शुक्रवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच के पहले दिन अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ 47,566 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। चाय ब्रेक के समय सिडनी में 47,566 दर्शक मौजूद थे, जो जनवरी 1976 के बाद से क्रिकेट के लिए सिडनी में सबसे बड़ी उपस्थिति है।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक्स पर पोस्ट किया, रिकॉर्ड लगातार गिरते जा रहे हैं। पहले दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के गेट से 45,000 से अधिक दर्शक आए। सिडनी में भारी भीड़ ने सीरीज में पहले भी एक और रिकॉर्ड बनाया था, जब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड ने तीसरे टेस्ट के दौरान टेस्ट मैच के लिए अब तक की सबसे बड़ी भीड़ की मेजबानी की थी। पहले दिन दोपहर के भोजन के समय तक 45,465 दर्शक एससीजी में आ चुके थे, जो 2003/04 भारत-ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान स्थापित 44,901 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दर्शकों की संख्या के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि एससीजी में 1976 के बाद से लगभग 50 वर्षों में किसी टेस्ट के लिए यह सबसे बड़ी भीड़ थी।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत 185 पर ऑलआउट, पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए

सिडनी, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं। स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गई। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया।

भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है।

नहीं मानी हार, तोड़ दिया सचिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिडनी टेस्ट में बुरी तरह चोटिल हुए ऋषभ पंत

सिडनी, एजेंसी। टीम इंडिया सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 185 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. उसके लिए ऋषभ पंत ने 40 रनों की अहम पारी खेली. पंत इस पारी के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हो गए. लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. ऋषभ पंत ने इस मुकाबले के दौरान छक्कों का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने सचिन तेंदुलकर समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है. ऋषभ पंत भारत की पहली पारी के दौरान नंबर पांच पर बैटिंग करने आए.

उन्होंने इस दौरान 98 गेंदों का सामना करते हुए 40 रन बनाए. पंत की इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहे. उन्हें बोलैंड ने आउट कर दिया. पंत इस पारी के दौरान चोटिल हो गए. उनके हाथ पर गेंद लग गई. इससे खून का थक्का जम गया. लेकिन पंत ने इसका करारा जवाब दिया. वे भारत के लिए अहम पारी खेलने के बाद ही आउट हुए.

पंत ने तोड़ा सचिन-रोहित का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया. पंत ने कुल 11 छक्के लगाए हैं. जबकि रोहित ने 10 छक्के जड़े हैं. इस मामले में नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 8 छक्के लगाए हैं. वीरेंद्र सहवाग ने भी 8 छक्के लगाए हैं. सचिन ने 7 छक्क ने लगाए हैं.

रोहित के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा: पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग को लगता है कि रोहित शर्मा के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा, क्योंकि नियमित भारतीय कप्तान ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे पांचवें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से आराम लेने का फैसला किया है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन टेस्ट मैचों में सिर्फ 6.2 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 10 रहा है। सिडनी में उनके न खेलने की अटकलें तब सामने आईं, जब मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें गारंटीड स्टार्टर कहने से इनकार कर दिया।

रोहित ने 2024 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की कप्तानी करने के बाद टी20 को पहले ही अलविदा कह दिया था। मुझे लगता है कि प्रतिक्रिया यह रही है कि वे सभी उम्मीद कर रहे थे कि ऐसा हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि सभी को उम्मीद थी कि रोहित इस मैच में नहीं खेलेंगे, शुभमन गिल वापस आएंगे और (जसप्रीत) बुमराह शायद फिर से कप्तानी संभालेंगे और ऐसा ही हुआ। पोंटिंग ने कहा, आपको लगता होगा कि खेल के इस प्रारूप में रोहित शर्मा के लिए अब बहुत लंबा सफर तय करना बाकी है। मेरा मानना ??है कि भारत जून के मध्य या अंत तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलता है, जो कि आपके करियर के अंतिम चरण में आने के लिए बहुत लंबा समय है। उन्होंने कहा,...जब मैंने इतने महत्वपूर्ण मैच में ऑप्ट आउट शब्द सुना तो मैं बहुत हैरान रह गया। हम जानते हैं कि वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैंइसलिए जिस तरह से उन्होंने इसे कहा है, आप इसे केवल सतही तौर पर ही ले सकते हैं। हमें भारतीय खेमे से जो सुनने को मिल रहा है, उस पर हमें विश्वास करना होगा, लेकिन इतना बड़ा मैच होने के कारण, यह जानते हुए कि उन्हें ट्रॉफी बरकरार रखने के लिए यह मैच जीतना ही होगा, उनके सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक के लिए ऑप्ट आउट करना एक दिलचस्प समय था।

बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर बनाया कीर्तिमान

8 साल बाद दोहराया गया इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट में अभी पहले ही दिन का खेल हुआ है, लेकिन रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक बार? फिर से फ्लॉप रही। वो तो भला हो जसप्रीत बुमराह का, जिन्होंने पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले ही उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेज दिया, इससे भारतीय टीम ने राहत की सांस ली होगी। जसप्रीत बुमराह ने इस विकेट के साथ ही भारतीय टीम के लिए करीब आठ साल पुराना इतिहास दोहरा दिया है।

इस सीरीज में बुमराह ने छठी दफा किया है उस्मान का शिकार

जसप्रीत बुमराह एक बार फिर से टीम इंडिया की टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले जब इसी सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने कमान संभाली थी, तब टीम इंडिया जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। अब फिर से उन्हें भारतीय टीम का बेड़ा पार लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। जसप्रीत बुमराह ने उस वक्त उस्मान ख्वाजा को आउट किया, जब वे दिन की आखिरी बॉल लेकर आए थे। उस्मान ख्वाजा ने अपनी पारी के दौरान 10 बॉल का सामना किया और दो रन बनाकर आउट हो गए। इसी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने उस्मान को छठी बार आउट किया है। इससे पहले केवल एक ही बार हुआ है, जब किसी भारतीय गेंदबाज ने एक ही ही सीरीज में 6 दफा आउट किया हो।

बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड, राहुल द्रविड़ भी नहीं हुए नामिनेट

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल के खेल अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया गया है। खेल मंत्रालय ने इस साल चार खिलाड़ियों को सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानंचद खेलरत्न अवॉर्ड के लिए चुना गया है। वहीं 32 खिलाड़ियों का नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजा गया है। हालांकि हैरानी की बात यह है कि इस लिस्ट में किसी भी भारतीय क्रिकेटर का नाम शामिल नहीं है।

जसप्रीत बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड

बीते साल भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस साल जसप्रीत बुमराह को इसका बड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बुमराह इस समय भारत के नंबर वन गेंदबाज हैं। वह तीनों फॉर्मेट में टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पिछले चार साल में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

चाहे टी20 वर्ल्ड कप हो , वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हो या फिर भारत में हुआ वनडे वर्ल्ड कप। उन्होंने हर जगह भारतीय तेज गेंदबाजी अटैक की अगुवाई की। दुनिया भर के बल्लेबाज और दिग्गज इस खिलाड़ी को मौजूदा समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बता चुके हैं। 44 टेस्ट मैच में यह खिलाड़ी 203 विकेट ले चुका है। 89 वनडे में 149 और 70 टी 20 में उनके नाम 89 विकेट हैं। इन सबसे के बावजूद इस खिलाड़ी को अब तक अर्जुन अवॉर्ड नहीं मिला है। साल 2019 में इस खिलाड़ी को नामित किया गया था लेकिन उस समय शिखर धवन को अवॉर्ड दिया गया था और बुमराह चूक गए। पांच साल में बुमराह ने वैश्विक स्तर पर नाम कमा चुके हैं। इस बार भी उनका नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं दिया गया।

राहुल द्रविड़ को भी नहीं किया गया नॉमिनेट

लिस्ट में भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ का नाम शामिल नहीं है। राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द्रोणाचार्य अवॉर्ड कोचेज को दिया जाता है। राहुल द्रविड़ ने बतौर कोच भारतीय क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राहुल द्रविड़ ने साल 2021 में टीम की कमान संभाली थी। उनके कोच बनने के बाद भारत तीनों फॉर्मेट के 'वर्ल्ड कप' का फाइनल खेला और एक में चैंपियन भी बना। भारत ने साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला। साल 2024 में टीम राहुल द्रविड़ के कोच रहते हुए ही टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी। हालांकि राहुल द्रविड़ को साल 1998 में बतौर खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

बच्चा रहे हमेशा कॉन्फिडेंट इसके लिए उसे बोलना सिखाएं ये 5 स्ट्रोंग लाइंस

कभी खुद को नहीं समझेगा किसी से कम ऐसी कई पंक्तियां हैं जो अगर बच्चा रोजाना खुद से कहने लगेगा तो उसका आत्मविश्वास भी तेजी से बढ़ेगा. जानिए कौनसी हैं ये कॉन्फिडेंस बढ़ाने वाली बातें.

बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कॉन्फिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कॉन्फिडेंस की वजह क्या होती है? इस कॉन्फिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कही बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कॉन्फिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजीटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रोंग लाइंस बोलकर ना सिर्फ बच्चों का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौंसला भी उनमें आएगा.

फमैं जैसा हूं वैसे ही प्यार के काबिल हूंफ

बच्चे का सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसे ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं है.

फमैं परेशानी का हल ढूंढ सकता हूंफ

किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं. बच्चे का आत्मविश्वास) बढ़ने लगेगा.

फमैं बहादुर हूं और मुझे हार नहीं माननी हैफ

किसी परिस्थिति से पार पाने के लिए और हमेशा अपना बेस्ट देते रहने के लिए बच्चे को यह पंक्ति खुद से जरूर कहनी चाहिए. इससे बच्चे में कॉन्फिडेंस आता है. इससे बच्चा हार मानने के बजाय आगे बढ़ता जाता है.

फमेरे विचार मैटर करते हैंफ

कई बार बच्चे किसी काम को इसलिए नहीं करते या फिर किसी के सामने अपनी बात रखने से झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात का कोई मूल्य नहीं है. लेकिन, बच्चे को यह समझाना और यह कहना सिखाना जरूरी है कि उसके विचार मैटर करते हैं. जब बच्चे खुद से यह कहने लगते हैं तो आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को आगे रखना भी शुरू कर देते हैं.

फमैं नई चीजें सीख सकता हूंफ

बच्चों को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि वह नई चीजें सीख सकते हैं. इससे बच्चे किसी काम को सीखने (स्ह्वद्दद्दद्यद्बठ्ठद्द) से घबराते नहीं हैं. बच्चों में इस पंक्ति को कहने पर नई चीजें सीखने का कॉन्फिडेंस आता है.

क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग, टीनेजर्स की परवरिश में आजमा सकते हैं यह यूनिक तरीका

आप टीनेजर बच्चों के माता-पिता हैं तो आपने पैरेंटिंग के अलग-अलग तरीकों के बारे में तो सुना ही होगा. लेकिन, क्या आप लाइटहाउस पैरेंटिंग के बारे में जानते हैं? यहां जानिए लाइटहाउस पैरेंटिंग क्या होती है और टीनेजर्स की परवरिश में कैसे काम आती है.

परवरिश के अलग-अलग तरीकों में से ही एक है लाइटहाउस पैरेंटिंग. असल में लाइटहाउस पैरेंटिंग एक तरह की बैलेंस्ड पैरेंटिंग अप्रोच है जिसमें बच्चों को प्यार, सपोर्ट और गाइडेंस दी जाती है लेकिन साथ-साथ बाउंडरीज मेंटेन करना भी जरूरी होता है. इस पैरेंटिंग स्टाइल में माता-पिता बच्चे को एक सुरक्षित वातावरण देते हैं जिसमें बच्चे खुद को बेहतर तरह से एक्सप्रेस कर सकते हैं. इसमें बच्चे माता-पिता से अपने मन की बातें बिना डरे कह पाते हैं. यहां जानिए क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग और इसे कैसे आजमाया जा सकता है.

बनाएं क्लियर नियम

लाइटहाउस पैरेंटिंग में आपको क्लियर रूल्स बनाने होते हैं. आपको नियम बनाकर यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चे इन्हें गंभीरता से फॉलो करें. वहीं, स्पष्ट होना भी जरूरी है, जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अपना फोन इस्तेमाल ना करे तो सीधेतौर पर उसे कहें कि फोन इस्तेमाल ना करे. तानों के जरिए बात कहने की कोशिस ना करें.

कमजोरियों पर ना करें निंदा

अगर बच्चे की कोई कमजोरी है तो उसकी सीधेतौर पर निंदा ना करें बल्कि समझें और उसे भी समझाएं कि कमजोरियों से सीखने की जरूरत होती है. चाहे गलती हो या फिर कोई कमी, इसे पूरा करने पर ध्यान दें ना कि बच्चे की निंदा करके उसका मनोबल कमजोर करें.

कोशिश के दें पूरे नंबर

किशोरावस्था ऐसी उम्र है जिसमें बच्चे अलग-अलग कामों को सीखने की कोशिश करते रहते हैं और अक्सर एक्सपेरिमेंट्स करते हैं. ऐसे में अगर बच्चे किसी काम में बुरे भी निकलते हैं और कभी-कभी उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ता है. ऐसे में बच्चे को उसकी कोशिश और एफर्ट्स के पूरे नंबर दें. रिजल्ट क्या निकला या क्या नहीं इससे ज्यादा जरूरी है बच्चे का हौंसला बढ़ाना.

बहुत ज्यादा कठोरना ना अपनाना

इस पैरेंटिंग स्टाइल में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के साथ बहुत ज्यादा कठोरता नहीं बरत रहे हैं. इस उम्र में बच्चे से बहुत ज्यादा कठोर व्यवहार किया जाए तो बच्चों में एक तरह का डर गहराने लगता है जिससे वे अपनी परेशानियां तक पैरेंट्स से कहने से डरने लगते हैं.

हमेशा डांट-डंपटकर बच्चे को ना बनाएं दब्बू

इन तरीकों से बढ़ाएं बच्चे का कॉन्फिडेंस

अगर आपको भी अपने बच्चे में कॉन्फिडेंस की कमी नजर आती है तो यहां जानिए किस तरह उसमें आत्मविश्वास लाया जा सकता है. इस तरह बच्चे जीवन में कभी भी और किसी से भी पीछे नहीं रहते हैं.

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें, कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाएं, दोस्तों के बीच पॉपुलर रहें और कभी उन्हें किसी से कमतर महसूस ना हो. ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को अक्सर अनुशासित करने के लिए डांट-डंपट भी देते हैं. लेकिन, इस सख्ती से होता यह है कि बच्चे का कॉन्फिडेंस कम होने लगता है और वह झेंपने लगता है. ऐसे में बच्चे की परवरिश में यह गलती आप बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसे वो काम सिखाएं या इस तरह उससे बर्ताव करें जिससे वह आत्मविश्वासी बने और किसी मुश्किल से कभी घबराए नहीं.

किसी काम को करने का सिखाएं सही तरीका

अक्सर ही बच्चों में कॉन्फिडेंस की कमी इसलिए देखी जाती है क्योंकि उन्हें कोई काम सही तरह करने में दिक्कत होती है या फिर वे इस काम को सही तरह से करना नहीं जानते जिसकी वजह से उनकी खिल्ली उड़ाई जाती है. ऐसे में आप बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे इन कामों को सही तरह से करना सिखा सकते हैं. इससे अपने यार-दोस्तों के सामने भी बच्चे का कॉन्फिडेंस बना रहता है.

बच्चे के विचारों को दबाएं नहीं - पैरेंट्स एक आम गलती यह कर देते हैं कि जब बच्चा अपने विचार उनके सामने रखता है तो वे उसकी बातों पर ध्यान नहीं देते. कई बार तो यह भी होता है कि बच्चा अगर थोड़ा भी खुलकर व्यवहार करता है तो पैरेंट्स उसे यह कहकर चुप करवा देते हैं कि इतराओ मत. ऐसे में बच्चे अपने आपको एक्सप्रेस करने से कतराने लगते हैं.

करें बच्चे की सराहना - बच्चा किसी चीज में बुरा होगा तो ऐसे भी बहुत से काम होंगे जिसमें वह सबसे अच्छा होगा या फिर जिन कामों को वह अच्छी तरह कर सकता है. इसीलिए बच्चे की सराहना करना जरूरी है. बच्चे को इससे कॉन्फिडेंस मिलता है और वह खुद को बेहतर करने की तरफ अग्रसर होता है.

घर पर ही करवाएं कॉन्फिडेंस बढ़ाने वाली एक्टिविटीज - आप बच्चे को घर में ही अपने मन की बात कहने के लिए, सबके सामने कुछ गाकर सुनाने या डांस करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं. बच्चे को जो कुछ अच्छा लगता है वह सभी के सामने करके दिखाने में कंफर्टेबल है या नहीं उससे पूछें. धीरे-धीरे बच्चे अगर घर के सदस्यों के सामने बोलना या अपनी खूबिया दिखाना शुरू करते हैं तो बाहरी लोगों के सामने भी उन्हें कॉन्फिडेंट महसूस होने लगता है.

इन 5 वजहों से माता-पिता की बात नहीं सुनते हैं बच्चे, समय रहते ध्यान देना है जरूरी

अक्सर ही बच्चे माता-पिता की बात को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे के इस तरह बर्ताव करने की क्या वजह हो सकती है.

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं होता है. पैरेंट्स बच्चों के बड़े होने तक खुद भी जीवन से जुड़ी अनेक नई बातें सीखते हैं और लगातार सीखते जाते हैं. लेकिन, इस पूरे सफर में पैरेंट्स ऐसी गलतियां भी करते हैं जिनसे बच्चे की परवरिश पर असर पड़ता है. कई बार माता-पिता को यह देखकर हैरानी होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं या बात को सुनकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में कई बार पैरेंट्स को यह समझने में दिक्कत होती है कि बच्चों के इस बर्ताव की क्या वजह है. अगर आप भी बच्चों के इसी व्यवहार से परेशान हैं तो यहां जानिए किन वजहों से बच्चे माता-पिता की बात को अनसुना करने लगते हैं.

जरूरत से ज्यादा सख्ती

अगर माता-पिता बच्चे पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करने लगते हैं तो बच्चे उनकी बात सुनना बंद कर देते हैं. बच्चों को लगने लगता है कि पैरेंट्स की सख्ती से बचने का तरीका है उनकी बात ना मानना और आखिर में किसी भी बात को सुनने से इंकार कर देना. ऐसा बच्चे ज्यादातर पैरेंट्स से बदला लेने के लिए करते हैं.

हमेशा चिल्लाकर बात करना

पैरेंट्स अगर बच्चे पर हर समय ही चिल्लाते रहते हैं और उससे किसी भी काम को करने के लिए चिल्लाकर ही बात करते हैं तो इससे बच्चा घबरा जाता है. बच्चे को लगता है कि चुप रहकर और बातों को अनसुना करके ही खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं.

बहुत ज्यादा नियम

बच्चों पर अलग-अलग और ढेर सारे नियम थोप दिए जाने पर भी उन्हें अच्छा नहीं लगता है. बच्चे इन नियमों से तंग आकर पैरेंट्स की एक भी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं और सोचते हैं कि इन नियमों के जवाब में अब वे हर काम को और हर बात को अनसुना कर देंगे.

अटेंशन के लिए भी करते हैं

कई बार बच्चे माता-पिता की बात इसलिए नहीं सुनते क्योंकि उन्हें अटेंशन चाहिए होता है. माता-पिता बच्चे पर ध्यान दें और उसके इस व्यवहार के लिए उससे आकर सवाल-जवाब करें इसीलिए बच्चे पैरेंट्स की बात नहीं सुनते, उन्हें इग्नोर करते हैं और उनसे उखड़ा-उखड़ा रवैया अपनाने लगते हैं.

बच्चे को होता है सेल्फ डाउट और खुद को समझता है सबसे कमतर

तो पैरेंट्स इन 4 तरीकों से बढ़ाएं उसका कॉन्फिडेंस

आपका बच्चा अगर खुद पर विश्वास नहीं करता है और सेल्फ डाउट से घिरा रहता है तो यहां जानिए किस तरह उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

माता-पिता को अक्सर लगता है कि बच्चों को जीवन में किसी तरह की परेशानी नहीं होती या फिर बच्चों पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती इसीलिए उन्हें हर स्थिति में खुश रहना चाहिए. लेकिन, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे बच्चे अकेले गुजरते रहते हैं. बच्चे खुद की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं, हर किसी की डांट सुनकर खुद को सबसे कम समझने लगते हैं, उनपर अच्छी परफोर्मेंस का प्रेशर होता है तो साथ ही उनकी भावनाएं कई बार माता-पिता या दोस्त कोई नहीं समझ पाता जिससे बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं. इसके अलावा, अक्सर ही बच्चे सेल्फ डाउट में पड़ जाते हैं और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं. ऐसे में माता-पिता बच्चे को समझते हुए उसे इस दुविधा से निकालने की कोशिश कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा सेल्फ डाउट में रहता है, कॉन्फिडेंट फील नहीं करता और खुद को दूसरे बच्चों से कम समझता है तो यहां जानिए किस तरह बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की जा सकती है.

नकारात्मक बातों को दूर करना सिखाएं

बच्चे कई बार नकारात्मक और सकारात्मक बातों में अंतर करना नहीं जानते और इसीलिए कुछ बुरा भी हो तो उसे अपने अंदर दबाए रखते हैं. यही नकारात्मक बातें बच्चों को अंदर ही अंदर खाने लगती हैं. ऐसे में बच्चों को सिखाएं कि किस तरह नकारात्मक बातों को पहचानकर उनसे दूरी बनाई जा सकती है. नकारात्मक भावनाओं को दूर करके ही सेल्फ डाउट से छुटकारा पाया जा सकता है.

स्ट्रेंथ पर फोकस करना

बच्चे को उसकी स्ट्रेंथ पर फोकस करना सिखाएं. जिन कामों में बच्चा अच्छा है उन कामों में खुद को वह और कैसे बेहतर बनाए और किस तरह अपनी सफलताओं से कॉन्फिडेंट महसूस करे यह उसे बताएं. इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही बच्चों में सकारात्मक विचारों का संचार होता है.

हार लेकर ना बैठना

बच्चा अगर अपनी गलतियों या हार के बोझ तले बैठा रहेगा तो यकीनन इससे उसका आत्मविश्वास कम होगा. ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि जीवन में जीत और हार लगे रहते हैं, लेकिन हार को लेकर बैठना और खुद को हारा हुआ महसूस करना सही नहीं है. हार से सीखना और आगे बढ़ते रहना जरूरी होता है.

आत्मनिर्भर होना

अगर बच्चे को लगता है कि वह कोई भी काम खुद से नहीं कर सकता या फिर उसे हर काम को करने के लिए किसी की जरूरत है, तो यह उसकी लो सेल्फ एस्टीम को दर्शाता है. ऐसे में पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे कम उम्र से ही बच्चे को आत्मनिर्भर होना सिखाएं. कम से कम छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां बच्चा खुद उठाने लगे जिससे उसके सेल्फ कॉन्फिडेंस में वृद्धि हो.

बोर्रा गुफाओं में होगी एसएसएमबी 29 की शूटिंग, एसएस राजामौली और महश बाबू ने बनाई योजना

एसएस राजामौली सुपरस्टार महेश बाबू के साथ एक फिल्म बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वर्तमान में राजामौली और उनकी टीम लोकेशन की तलाश कर रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा केन्या में शूट करने की योजना है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एक महत्वपूर्ण एपिसोड बोर्रा गुफाओं, विजाग में भी शूट किया जाएगा, जो एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है। राजामौली ने हाल ही में अपनी टीम के साथ साइट का दौरा किया।

बोर्रा गुफाओं में होगी शूटिंग

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि एसएस राजामौली ने बोर्रा गुफाओं में करीब दो सप्ताह की शूटिंग तय की है। एडवेंचर थ्रिलर के तौर पर प्रचारित यह फिल्म कई देशों में होगी। केएल नारायण इस प्रोजेक्ट को बड़े बजट में प्रोड्यूस करेंगे, जिसमें वीएफएक्स के लिए हॉलीवुड स्टूडियो को शामिल किया जाएगा।

विदेश में तैयारी कर रहे महेश बाबू

महेश बाबू इस समय विदेश में हैं और इस भूमिका की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी अब तक की सबसे महंगी फिल्म में एक नए लुक में नजर आने वाले हैं। इस प्रोजेक्ट ने इस बात की भी सुर्खियां बटोरी हैं कि प्रियंका चोपड़ा जोनस को मुख्य महिला किरदार के लिए चुना गया है। अगर यह सच है तो इस कदम को एक मास्टरस्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें प्रियंका के वैश्विक स्टारडम का लाभ उठाकर फिल्म का भी वैश्विक स्तर पर प्रचार किया जाएगा।

फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट

फिल्मांकन 2025 की गर्मियों में शुरू होने की उम्मीद है, और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है। राजमौली का परिवार प्रोडक्शन में अहम भूमिका निभाएगा। उनके पिता विजयेंद्र प्रसाद ने कहानी लिखी है, जबकि उनके भाई एमएम कीरवानी संगीत तैयार करेंगे। राजमौली के बेटे कार्तिकेय लाइन प्रोड्यूसर की भूमिका निभाएंगे। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में हमेशा की तरह सिनेमैटोग्राफर सेंथिल कुमार शामिल नहीं होंगे। विजाग में हाल ही में लोकेशन की तलाश ने उत्साह पैदा कर दिया है, जिससे प्रशंसकों को काफी उम्मीदें हैं।

श्वेता त्रिपाठी ने दिया मिर्जापुर-द फिल्म पर अपडेट

मिर्जापुर सीरीज की गोलू उर्फ श्वेता त्रिपाठी को आज हर कोई पहचानता है। श्वेता ने अपनी बेहतरीन अदाकारी ने सभी का दिल जीता है। कुछ समय पहले ही निर्माताओं ने मिर्जापुर – द फिल्म की घोषणा की थी और तभी से ही प्रशंसक इसे लेकर उत्साहित हैं। फिल्म से जुड़ी हर जानकारी पर प्रशंसकों की नजरें रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान श्वेता ने फिल्म के बारे में कई अपडेट शेयर किए और साथ ही कहा कि यह फिल्म दर्शकों की उम्मीद से कहीं आगे की होगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान मिर्जापुर में अपनी भूमिका के लिए मशहूर श्वेता त्रिपाठी ने इस सीरीज पर आधारित आगामी फीचर फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि फिल्म का निर्माण जल्द ही शुरू होने वाला है। उन्होंने आगे बताया कि मिर्जापुर स्वाभाविक रूप से एक पुरुष-प्रधान दुनिया है, जहां पुरुषों के पास सत्ता है, और यह फिल्म उसी को दर्शाएगी। हालांकि, फिल्म में सीरीज का सार और लहजा बरकरार रखा जाएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि यह फिल्म, सीरीज से कहीं ज्यादा थ्रिलर और आगे की होगी। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में पहले सीजन के किरदार जैसे कंपाउंडर और मुन्ना भी शामिल होंगे।

श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म में अपने किरादार गोलू के बारे में कहा कि प्रशंसकों का गोलू के किरदार के प्रति प्यार उन्हें खुशी देता है। भले ही उनका किरदार उनकी शक्ल से बिल्कुल अलग है। श्वेता उर्फ गोलू ने मिर्जापुर पर गर्व व्यक्त किया कि यह पहली ओटीटी सीरीज है, जिस पर फिल्म बनाई जा रही है, लेकिन उन्होंने दर्शकों के प्यार और सम्मान के साथ आने वाली जिम्मेदारी को भी पहचाना।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्वेता ने आगे कहा कि सपनों का पीछा करना आसान नहीं है, लेकिन सिर्फ पैसे के लिए नौकरी करने के बजाय हर दिन अपने जुनून के लिए काम करना बेहतर रहता है। मिर्जापुर- द फिल्म 2026 में रिलीज होगी।

'राउडी राठौर 2' से जुड़ी अपडेट आई सामने

अक्षय कुमार और सोनाक्षी सिन्हा की मुख्य भूमिका वाली राउडी राठौर 2012 में ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। पिछले कुछ दिनों से 'राउडी राठौर 2' सुर्खियों में बना हुआ है। प्रशंसकों में फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। हालांकि, अब तक इससे जुड़ी कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है। फिल्म के लीड रोल के लिए अक्षय कुमार, शाहिद कपूर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और टाइगर श्रॉफ जैसे नाम कई बार सामने आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और उनकी टीम स्क्रिप्टिंग स्टेज में हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने अभी तक कास्ट को फाइनल नहीं किया है।

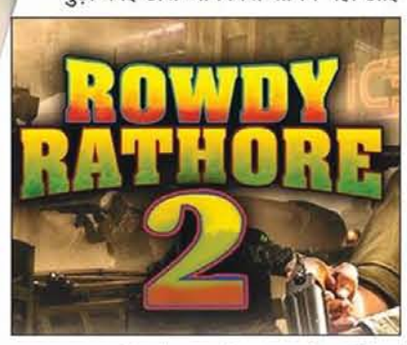

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा था कि संजय लीला भंसाली ने राउडी राठौर 2 की स्क्रिप्ट पर काम करने के लिए कन्नड़ फिल्म निर्देशक प्रेम को साइन किया है। हालांकि, नई रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि संजय लीला भंसाली ने अभी तक किसी को इसके निर्देशन के लिए फाइनल नहीं किया है।

नए साल से पहले हनी सिंह का धमाका, शहनाज के साथ लेकर आएंगे नया गाना

हनी सिंह किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह देश के मशहूर रैपर, गायक और संगीत निर्माता हैं। उन्होंने अपने गानों से लगातार लोगों का मनोरंजन किया है। भारतीय संगीत की दुनिया में रैप को लाने में उनका एक अहम योगदान रहा है। अब बनी सिंह पंजाब की कैटरीना शहनाज गिल के साथ एक नया गाना लाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रैपर के फैंस भी उनके इस गाने को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं।

हनी सिंह ने नए गाने का किया एलान

हनी सिंह ने हाल ही में, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ रैपर ने कहा कि शीशे वाली चुन्नी, फैंस की मांग पर जल्द ही आने वाली है। इसमें टैलेंट्स अभिनेत्री शहनाज गिल भी होने वाली हैं। एक ब्लॉकबस्टर हरियाणवी गाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएं।

फैंस ने दी यह प्रतिक्रिया

हनी सिंह के फैंस ने उनके आगामी गाने को लेकर काफी उत्साह दिखाया और कमेंट सेक्शन में खूब सारी तारीफें भी कर दी। एक यूजर ने लिखा, कौन कह रहा है कि कमबैक नहीं हो रहा है। दूसरे यूजर ने लिखा, हनी पाजी आपके गाने सुनकर दिन बन जाता है। एक और यूजर ने लिखा, यह सच में एपिक होने वाला है।

शहनाज का दिखा जलवा

शहनाज गिल के फैंस इस खबर को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। कई लोगों का कहना है कि शहनाज अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही हैं। पिछले दिनों शहनाज का गाना सात समंदर भी काफी हिट हुआ था। अभिनेत्री ने यह आइटम सॉन्ग राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के लिए किया था, जिसके लिए उनकी खूब प्रशंसा भी हुई थी।

शहनाज ने किया फिल्म का एलान

बता दें कि किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म इक कुड़ी की घोषणा की है। यह फिल्म 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करणवीर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगी सारा अरफीन

जब अभिनेत्री से माइंड कोच बनी सारा अरफीन खान अपने पति के साथ बिग बॉस 18 में आई , तो सभी को उम्मीद थी कि यह जोड़ी शानदार प्रदर्शन करेगी। हालांकि, वे घर में दबाव का सामना नहीं कर सकीं। अरफीन के नॉमिनेशन के बाद, सारा लगभग तीन महीने तक घर में टिकी रहीं, लेकिन इस वीकेंड उन्हें घर से बाहर होना पड़ा। अब हाल ही में, एक साक्षात्कार में सारा अरफीन ने बताया है वह करणवीर मेहरा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगी।

करणवीर के खिलाफ नहीं करेंगी कार्रवाई

सारा अरफीन ने अपने हालिया साक्षात्कार में लोगों द्वारा उन्हें साइको का टैग दिए जाने को लेकर कहा मैंने कभी भी शारीरिक हिंसा नहीं की, मैं एग्रेसिव हो गई, यह एक रिएलिटी शो है, जहां अपना आपा खोना बहुत आम बात है। लोग ड्रामा देखना चाहते हैं, और उन्हें सिर्फ प्यार दिखाने से कोई मदद नहीं मिलेगी।

साइको कहे जाने पर दी सफाई

सारा ने आगे कहा, अगर मैं शो को मसाला दे सकती हूं तो इसमें क्या गलत है? अपनी सीमाओं को प्रोटेक्ट करना मेरा गेम प्लान था। मुझे चुम दारंग और करणवीर मेहरा से शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ा, मैंने उसकी वजह से अपनी पीठ पर चोट खाई, लेकिन मैंने जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने मुझे पागल या साइको कहा, लेकिन किसी ने मेरे लिए स्टैंड नहीं लिया। मुझे लगा कि दर्शकों ने मुझे निशाना बनाया है।

सारा के प्रोफेशन को लेकर दिखाया गया नीचा

सारा ने यह भी कहा कि शो में हमेशा उनके प्रोफेशन को लेकर सवाल खड़ा किया गया है। सारा ने कहा कि अविनाश ने हमेशा मेरे प्रोफेशन को लेकर हमेशा मुझे नीचा दिखाया गया है। उसने एक नैरेटिव सेट किया है, जिसका करणवीर ने इस्तेमाल किया है। जब मैंने अपनी सीमा तय कर ली है को इसे लेकर मुझे पागल क्यों समझा जाता था?

करणवीर ने नहीं डरतीं सारा

सारा ने यह भी कहा, आपको लगता है, मुझे करणवीर से डर लग गया था जब उसने मुझे धक्का दिया, मैं उसे गलत जगह एक मुक्का मार सकती थी और वह खत्म हो जाता, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मुझे दर्शकों से बहुत सारे नफ़रत भरे संदेश मिले हैं, फिर भी मैं यहाँ मज़बूती से खड़ी हूं।

रामकृष्ण परमहंस के किरदार को पर्दे पर जीवंत करेंगे चंदन रॉय सान्याल

हाल ही में चंदन रॉय सान्याल, जो अपनी आगामी फिल्म बिनोदिनी – एक्टी नातिर उपाख्यान नाम की फिल्म जल्द ही रामकृष्ण परमहंस के किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर वह इन दिनों काफी ज्यादा सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच अभिनेता ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक कोलाज साझा किया है, जिसमें रामकृष्ण परमहंस, मिथुन चक्रवर्ती और खुद चंदन नजर आ रहे हैं। साझा की गई तस्वीर उनके फैंस का ध्यान खूब आकर्षित कर रही है। इस तस्वीर में मिथुन चक्रवर्ती को रामकृष्ण परमहंस के रूप में देखा जा सकता है, जो उन्होंने 1998 की फिल्म स्वामी विवेकानंद में निभाया था। चंदन की पोस्ट में उनकी खुद की तस्वीर भी थी, जिसमें वह रामकृष्ण परमहंस के रूप में दिख रहे हैं।

उन्होंने इस पोस्ट में यह भी कहा कि कैसे वह बचपन से रामकृष्ण के अनुयायी रहे हैं और अब, बहुत सारे आत्मिक विकास और मार्गदर्शन के बाद, वह इस दिव्य भूमिका को निभाने के लिए तैयार महसूस कर रहे हैं। चंदन ने पोस्ट में लिखा, कुछ भूमिकाएं आपके पास एक विशेष समय में आती हैं, क्योंकि मेरा मानना है कि सब कुछ सर्वशक्तिमान द्वारा योजनाबद्ध किया जाता है। मैं अपने करियर में पहले यह रोल नहीं कर सकता था। जब यह भूमिका मेरे पास आई तो मैं हैरान था। मैं इस सोच में पड़ गया था कि इस किरदार को कैसे चित्रित करूंगा? एक बच्चे के रूप में मैंने रामकृष्ण मिशन में कई दिन बिताए थे और अधिकांश बंगाली परिवार उनके अनुयायी हैं। मैं उनके और स्वामीजी के साथ बड़ा हुआ। चंदन ने पोस्ट में जताया आभार उन्होंने आगे लिखा, हाल ही में मेरे गुरु मैत्रेय दादाश्रीजी ने मुझे दिव्य ज्ञान का रास्ता दिखाया। उनके मार्गदर्शन, शिक्षाओं, परमहंस योगानंद की किताब और कई अन्य स्क्रिप्ट और संगीत ने मुझे इस भूमिका को निभाने में मदद की। राम कमल मुखर्जी मुझे यह भूमिका देने के लिए धन्यवाद। देव अधिकारी अपने प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरी को-स्टार रुकमणि और मेरे लुक को आकार देने के लिए रेणुका पिल्लई को भी धन्यवाद। नया साल आ गया है और 2025 में मेरे जीवन का एक नया सूर्योदय हो रहा है। तस्वीरों में रामकृष्ण खुद हैं, उसके बाद मेरे पसंदीदा मिथुन चक्रवर्ती हैं जिन्होंने 90 के दशक में इस भूमिका को निभाया था, और अंत में मेरी तस्वीर है। मुझे नहीं पता मैं क्या कर रहा हूं, बस बहते जा रहा हूं।

अब ओटीटी पर चलेगा सूरज बड़जात्या का जादू

जल्द ही सोनी लिव पर सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' का प्रीमियर होगा। यह ओटीटी पर राजश्री प्रोडक्शंस का डेब्यू शो होने वाला है। यह एक लव स्टोरी वाली सीरीज हैं, जिसमें फैमिली वैल्यूज भी होंगे। यही बात तो राजश्री प्रोडक्शंस और सूरज बड़जात्या की खासियत है।

मन को छू लेने वाली कहानी

सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' मन को छू लेने वाली है, इसको पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित किया गया है। हालिया जारी टीजर में प्यार, परिवार को जोड़कर एक कहानी की झलक दिखाई गई है। इस सीरीज में ऋषभ और सुरभि की कहानी है, जिनकी अरेंज मैरिज एक अलग ही मोड़ लेती है, जब उनके अतीत की बातें सामने आती हैं। आगे दोनों अपने रिश्ते को लेकर क्या फैसला लेंगे, इस पर पूरी कहानी है।

उत्साहित हैं सूरज बड़जात्या

सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' के बारे में सूरज आर.बड़जात्या ने कहा- 'यह सीरीज मेरे दिल में एक खास जगह रखती है। इसके साथ हम रिश्तों की खूबसूरती, प्यार की गहराई और पारिवारिक मूल्यों की मजबूती के बारे में बता रहे हैं। मैं इस दिल को छू लेने वाली कहानी को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं। सोनी लिव के साथ मिलना, हमारे लिए शानदार एक्सपीरियंस है।

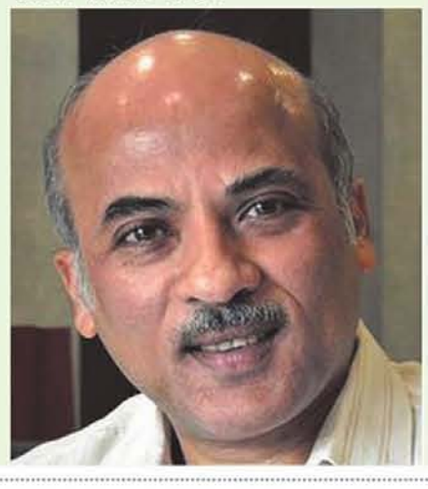

प्रधानमंत्री मोदी कल गाजियाबाद में नमो भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी, व्यवसायिक वाहनों की नो एंट्री

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गाजियाबाद आ रहे हैं। प्रधानमंत्री यहां नमो

भारत ट्रेन की साहिबाबाद से आनंद विहार की शुरुआत करने के लिए आएंगे। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान जारी किया है। जिसके चलते गाजियाबाद में कई रूटों पर ट्रैफिक बाधित रहेगा।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावि कार्यक्रम को देखते हुए रविवार सुबह सात बजे से मोहन नगर से लिंक रोड पर यूपी गेट तक सभी तरह के व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। मोहन नगर से हिंडन एयरफोर्स स्टेशन गोल चक्कर और वजीराबाद रोड पर करन गेट से एयरफोर्स गोलचक्कर के बीच भी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

गाजियाबाद में नागद्वार से हिंडन एयरफोर्स गोल चक्कर के बीच भी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। यह डायवर्जन प्रधानमंत्री का कार्यक्रम समाप्त होने तक लागू रहेगा। प्रधानमंत्री के शहर में आगमन के दौरान हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर से वैशाली मेट्रो स्टेशन के बीच सभी तरह के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए कानून-व्यवस्था के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू की है। पुलिस ने कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी थानाक्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई है। इन आठ थानाक्षेत्रों को नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित किया गया है।

किसानों की जल्द होगी मुख्य सचिव से वार्ता

पुलिस कमिश्नर व डीएम ने किसान संगठनों को दिया आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय किसान सभा,भारतीय किसान परिषद, किसान

एकता संघ के नेताओं का प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा से मिला। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को मुख्य सचिव स्तर पर शीघ्र अति शीघ्र वार्ता कराए जाने का आश्वासन दिया। पुलिस कमिश्नर ने किसानों पर दर्ज केस वापस करने पर तुरंत विचार करने का आश्वासन दिया।

किसान नेता डॉ रुपेश वर्मा सुखबीर खलीफा सोरन प्रधान के नेतृत्व में 15 सदस्य प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह एवं डीएम गौतमबुद्धनगर से मिला। डेलिगेशन ने पुलिस कमिश्नर से किसानों पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस करने एवं वादे के अनुसार 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट और नए कानून के मुद्दे पर मुख्य सचिव सचिव स्तर की वार्ता कराने की मांग की। पुलिस कमिश्नर ने डीएम गौतमबुधनगर की उपस्थिति में कहा कि मुकदमें वापस करने पर में जरूर विचार करूंगी।

डीएम गौतम बुध नगर ने कहा कि मुख्य सचिव के साथ जल्दी ही वार्ता कराई जाएगी साथ ही एक वार्ता प्राधिकरण के तीनों मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ कराई जाएगी।

किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने बताया कि हमने उपस्थित अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा है कि शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किसानों का हक है किसानों का दमन उत्पीड़न करने से समस्याएं हल होने वाली नहीं है हम अपनी समस्याओं को लेकर गंभीर एवं संकल्प बद्ध हैं।

किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने कहा कि हमें पुलिस प्रशासन ने ही दलित प्रेरणा स्थल पर जगह आवंटित की थी। पुलिस प्रशासन ने 7 दिन में मुख्य सचिव स्तर की वार्ता करने का आश्वासन दिया था परंतु पुलिस प्रशासन ने अपने वादे से मुकरते हुए बिना किसी वजह के किसानों को जबरन बदसलूकी करते हुए धरना स्थल से गिरफ्तार कर 307 जैसी संगीन धाराओं में आंदोलन को दमन करने एवं कुचलने के इरादे से जेल भेजा जो स्पष्ट रूप से पुलिस प्रशासन द्वारा सत्ता के दुरुपयोग का मामला है।

प्रतिनिधिमंडल ने दनकौर के एसएचओ द्वारा महिलाओं के साथ मारपीट करने का मामला उठाया जिस पर कमिश्नर ने जांच करने का आश्वासन दिया है। डेलिगेशन में कुंवरपाल प्रधान, शिशांत भाटी, निशांत रावल, सचिन एडवोकेट, वीर सिंह नागर, उदल आर्य ,गबरी मुखिया, सुरेश यादव, गंगेश्वर दत्त शर्मा, मनीष प्रधान भी मौजूद रहे।

नोएडा में खोला गया छठा वाटर एटीएम, सीईओ ने किया उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में नागरिकों को स्वच्छ

पेयजल सुविधा प्रदान करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने सीएसआर फंड के तहत नोएडा में छठा वाटर एटीएम खोला है। इस नवनिर्मित वाटर एटीएम का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने किया

आपको बता दें कि अब तक नोएडा क्षेत्र में कुल 6 वाटर एटीएम सीएसआर फंड द्वारा निर्मित कराए गए हैं, जो आम जनता को समर्पित कर दिए गए हैं नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने ग्राम सदरपुर व छालेरा के बीच सेक्टर 45 में नवनिर्मित वाटर एटीएम का उद्घाटन किया। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, संजय खत्री, महाप्रबंधक (जल) आरपी सिंह भी उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सदरपुर व छलेरा के बीच खोले गए इस वाटर एटीएम से जनमानस को स्वच्छ शीतल पेयजल की आपूर्ति निशुल्क प्रदान की जाएगी। इस वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रति घंटा है जिसमें पानी की

गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए उच्च तकनीक का प्रयोग किया गया है इसके अलावा आरो की व्यवस्था भी की गई है।

वाटर एटीएम से पानी की निशुल्क आपूर्ति के लिए ऑटोमेटिक कार्ड ऑपरेटर वॉटर वेंडिंग मशीन लगाई है जिसकी क्षमता 20 लीटर प्रति कार्ड एवं अन्य वेंडिंग मशीन की क्षमता 1 लीटर प्रति कार्ड रखी गई है। यह वाटर एटीएम सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम को 5 से रात 8 बजे तक निशुल्क चलाया जाएगा।

'विधान परिषद के आदेशों के अनुपालन की जानकारी एमएलसी व विधायकों को दें'

उप्र विधान परिषद के नियम पुनरीक्षण समिति के अध्यक्ष ने दिये निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की नियम पुनरीक्षण समिति के सभापति धर्मेंद्र कुमार भारद्वाज ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद एवं बुलंदशहर के जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की जो स्पष्ट मंशा है कि प्रदेशवासियों हेतु संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ पंक्ति में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए सभी अधिकारी गण अपने-अपने जनपदों के जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विधान परिषद उत्तर प्रदेश के सदस्यों व विधायकों द्वारा दिए गए पत्रों के क्रम में निर्धारित समय अवधि में कार्रवाई करते हुए कार्रवाई से उनको भी अवगत कराया जाए। साथ ही कहा कि विभागीय बैठकों, कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को भी अवश्य बुलाया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभापति को आश्वस्त करते हुए कहा कि बैठक में जो आपके द्वारा मार्गदर्शन एवं निर्देश दिए गए हैं उनका अधिकारियों के माध्यम से गंभीरता के साथ पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में एमएलसी श्रीचंद शर्मा, उत्तर प्रदेश विधान परिषद नियम पुनरीक्षण समिति के सदस्यगण तथा गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद एवं बुलंदशहर के जिला प्रशासन एवं प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी गण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, Pl-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

नव वर्ष पर पूर्व कर्मचारियों को मिली मेडिकल सुविधा की सौगात!

नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया नववर्ष तथा आमसभा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन ने नव वर्ष के

आगमन पर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों की वार्षिक आमसभा आयोजित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम उपस्थित रहे।

एसोसिएशन अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह ने बताया कि नव वर्ष 2025 के आगमन पर प्राधिकरण कर्मचारियों की आमसभा के माध्यम से नव वर्ष मिलन कार्यक्रम इंदिरा गांधी कला केंद्र सेक्टर 6 की प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राधिकरण के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों ने एक दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की साथ ही साथ एसोसिएशन द्वारा विगत वर्ष में कर्मचारी हित में कराए गए कार्यों विशेष रूप से सेवानिवृत कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एनईए एवँ सेवानिवृत्त कर्मचारियों की एसोसिएशन द्वारा नोएडा सीईओ का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान प्राधिकरण कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन करूणेश शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री, विशेष कार्य अधिकारी महेंद्र प्रसाद, मुख्य विधि सलाहकार रविंद्र प्रसाद गुप्ता, वित्त नियंत्रक स्वतंत्र कुमार गुप्ता, विशेष कार्य अधिकारी क्रांति शेखर, अरविंद कुमार, महाप्रबंधक मीना भार्गव, जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह, उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल, जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अभियंता आर.के. शर्मा, गौरव बंसल, एनईए के महासचिव जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, वीरपाल, सचिव नीरज राणा, अमित कुमार, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र, पूर्व अधिकारी आरएन श्रीवास्तव आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

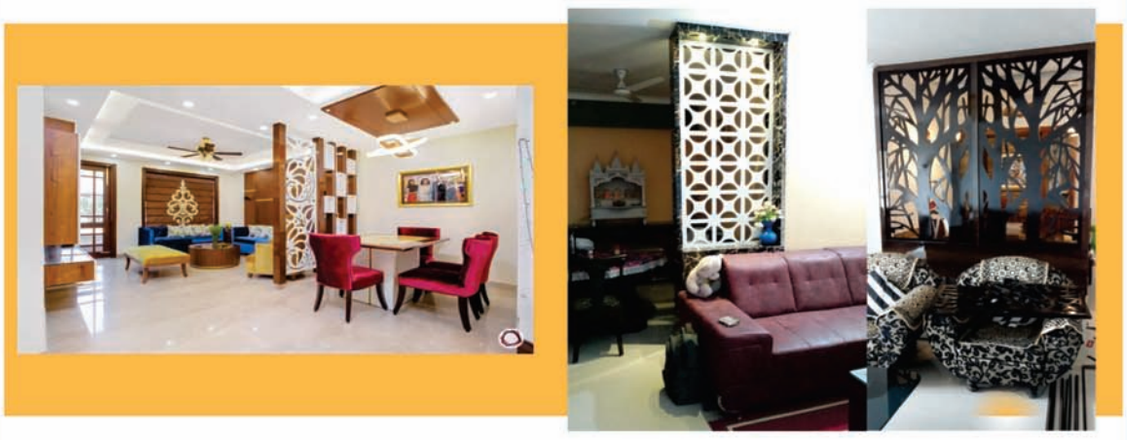

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com